

'कूटनीति से सब कुछ संभव'

ब्रिक्स के मंच से भारत का बड़ा संदेश

■ धर्मेन्द्र भदौरिया

नई दिल्ली। दुनिया आज कई गंभीर संकटों से घिरी है। पश्चिम एशिया में जारी घमासान, चौथे वर्ष में प्रवेश कर चुका रूस-यूक्रेन युद्ध और अमेरिका की लगातार बदलती टेरिफ नीतियों ने वैश्विक व्यवस्था के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। ऐसे समय में ब्रिक्स 2026 शिखर सम्मेलन में नई दिल्ली घोषणापत्र का अंगीकार किया जाना अपने आप में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह इसलिए भी अहम है क्योंकि सम्मेलन से पहले यह सवाल उठ रहे थे कि जब सदस्य देशों के बीच कई मुद्दों पर गंभीर मतभेद हैं, तब क्या वे किसी साझा घोषणा पर सहमत हो पाएंगे। लेकिन नई दिल्ली में इन आशंकाओं को विराम मिला।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने ब्रिक्स को ऐसा मंच बनाने का प्रयास किया, जहां परस्पर सम्मान, सहयोग और साझा विकास को प्राथमिकता मिले सम्मेलन ने यह भी दिखाया कि ब्रिक्स अब केवल उभरती अर्थव्यवस्थाओं की सालाना बैठक नहीं रह गया है। यह वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए अपनी आवाज को मजबूती से रखने का महत्वपूर्ण मंच बनता जा रहा है। इस संदर्भ में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ब्रिक्स के प्रति रवैया भी ध्यान देने योग्य है। ट्रंप पहले समूह को खारिज करते हुए इसे भूतप्राय बता चुके हैं और इसके सदस्य देशों पर ऊंची दरों के टेरिफ लगाने की धमकियां भी देते रहे हैं। इसके बावजूद नई दिल्ली शिखर सम्मेलन ने एक अलग तस्वीर पेश की। सदस्य देशों के बीच मतभेद जरूर रहे, लेकिन वे एक साझा घोषणा पर सहमत हुए और बहुपक्षवाद, बहुधुवीय व्यवस्था तथा अंतरराष्ट्रीय कानून के महत्व को फिर रेखांकित किया।प्रधानमंत्री मोदी ने शिखर सम्मेलन के अपने शुरुआती संबोधन में मौजूदा वैश्विक व्यवस्था की इसी कमी को रेखांकित किया।



ब्रिक्स में ग्लोबल साउथ का विश्वास बढ़ा: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि ब्रिक्स में ग्लोबल साउथ के देशों का विश्वास बढ़ा है। इसका कारण यह है कि उनकी आवाज यहां सुनी जाती है और उनके अनुभव का सम्मान होता है। साथ ही समाधान उनके लिए नहीं बल्कि उन्हें साथ लेकर बनाए जाते हैं। इसके साथ ही उन्होंने तकनीक और दुर्लभ खनिजों को हथियार के तौर पर इस्तेमाल किए जाने पर चिंता जताई और इनके उपयोग को समावेशी बनाए जाने पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने भारत मंडपम में आयोजित ब्रिक्स शिखर वार्ता के लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता पर आयोजित सत्र में अपने स्वागत भाषण में यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स की शक्ति उसकी विविधता और सहयोग में है। ऐसे में विविधता ही हमारी पहचान बननी चाहिए, सहयोग ही हमारी प्रेरणा बनना चाहिए और हमारी प्रगति पूरी मानवता के काम आनी चाहिए।

ब्रिक्स समाधानों का पारिस्थितिकी तंत्र, दुनिया को बड़ी अपेक्षाएं: मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के समापन सत्र में सभी देशों की सक्रिय भागीदारी और महत्वपूर्ण योगदान के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि पिछले दो दिनों की चर्चाओं ने इस विश्वास को और मजबूत किया है कि ब्रिक्स केवल देशों का समूह नहीं बल्कि समाधानों का एक पारिस्थितिकी तंत्र है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सम्मेलन में अपनाई गई 'नई दिल्ली घोषणा' साझा दृष्टिकोण और भविष्य के सहयोग को स्पष्ट दिशा देगी। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स में हुई चर्चाओं और तय परिणामों को समयबद्ध कार्रवाई और अंतिम स्तर तक प्रभाव से जोड़ना होगा। उन्होंने कहा, "ब्रिक्स अपने तीसरे दशक में प्रवेश करने जा रहा है। दुनिया अब हमसे केवल विचारों और प्रतिबद्धताओं की ही नहीं बल्कि ठोस परिणामों की भी अपेक्षा करती है। मुझे विश्वास है कि हमारे साझा प्रयासों से हम निश्चित रूप से इन अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे।"

एक साल में तीसरी बार एक साथ दिखे मोदी, पुतिन और चिनफिंग

राष्ट्रीय राजधानी में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की उस तस्वीर ने सबका ध्यान अपनी तरफ खींचा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुस्कराते हुए नजर आ रहे हैं और उनकी दाईं तरफ रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और बाईं तरफ चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग खड़े थे और उन्होंने एक-दूसरे का हाथ थामा हुआ था। यह तीनों दिग्गज नेताओं की करीब साल भर में तीसरी मुलाकात है। हाल ही में एक सितंबर 2026 को किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में तीनों नेताओं ने 26वें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया था। वहां तीनों ने आपस में हाथ मिलाया था और बातचीत भी की थी। इससे पहले मोदी, पुतिन और चिनफिंग एक सितंबर 2025 को चीन के तियानजिन में आयोजित एससीओ (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान गर्मजोशी से मिले थे।

बंटी हुई दुनिया के बीच ब्रिक्स में बनी आम सहमति: एस. जयशंकर

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को कहा कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन बहुत बंटी हुई दुनिया के दौर में हुआ मगर इसके बावजूद हमने आम सहमति बनाई। उन्होंने भारत की अध्यक्षता में हुए इस बड़े आयोजन को सफल बताया। जयशंकर ने मीडिया कर्मियों से बातचीत में पश्चिम एशिया में संघर्ष को उस दिन का सबसे कठिन विषय बताया। उन्होंने कहा-हम एक ऐसा बयान जारी करने में सफल रहे, जिस पर सभी सहमत थे। शनिवार को ब्रिक्स के सदस्य देशों ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को लेकर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ईरान के बीच गहरे मतभेदों को दूर करते हुए नई दिल्ली घोषणापत्र को अपनाया। उन्होंने ईरान पर हुए हमलों के लिए अमेरिका का सीधे तौर पर जिक्र करने से भी परहेज किया। घोषणापत्र के मसौदे पर बातचीत आखिरी समय तक चलती रही, क्योंकि शुरुआत में ईरान और यूएई, दोनों ही अपने रुख पर अड़े हुए थे।

...जब मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने गुनगुनाया- ख्वाब हो तुम या कोई हकीकत



नई दिल्ली। राजधानी के भारत मंडपम में चल रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने आये मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने हिंदी के सदाबहार गीतकार एवं गायक किशोर कुमार का एक गीत अपनी सुरीली आवाज में पेश कर महफिल में रंग भर दिया। यह वीडियो वायरल होने के बाद हिंदी और भारतीय संगीत के प्रति उनके लगाव की जमकर तारीफ हो रही है। भारत और मलेशिया के सदस्यों पुराने सांस्कृतिक रिश्ते को सुरों में पिरोता यह पल वाकई खास रहा। दिल्ली में फुरसत के कुछ पलों के दौरान उन्होंने फिल्म 'तीन देवियां' के मशहूर गीत 'ख्वाब हो तुम या कोई हकीकत...' को गुनगुनाया। अनवर इब्राहिम ने भारतीय पियानो वादक के साथ यह गीत गाया और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी साझा किया। इस सम्मेलन के पहले दिन नई दिल्ली घोषणा पत्र जारी से लेकर भारत-चीन के बीच अहम द्विपक्षीय बैठक हुई थी। नई दिल्ली के भारत मंडपम में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में 11 पूर्ण सदस्य देशों और 10 साझेदार (पार्टनर) देशों सहित कुल 21 देशों के नेता शामिल हुए।

शी चिनफिंग ने 'ग्रेटर ब्रिक्स' का रखा प्रस्ताव, अमेरिका और यूरोप पर बिना नाम लिए कसा तंज

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान चीनी राष्ट्रपति चिनफिंग ने 'ग्रेटर ब्रिक्स' का प्रस्ताव रखा है। चिनफिंग ने अमेरिका और पश्चिमी देशों पर बिना नाम लिए निशाना साधते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय मामलों में 'जिसकी लाठी, उसकी भैंस' का पिछात अब मान्य नहीं है और सभी देशों को संयुक्त समानता मिलनी चाहिए। ब्रिक्स देशों को संबोधित करते हुए चिनफिंग ने 'ताकत ही सही है' वाली विचारधारा की निंदा की। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश का आकार, शक्ति या आर्थिक स्थिति चाहे जो भी हो, वैश्विक समुदाय में सभी देशों को समान दर्जा मिलना चाहिए। इसके साथ ही चिनफिंग ने ग्लोबल साउथ को एकजुट करने और ब्रिक्स सहयोग को मजबूत करने के लिए एआई (AI) ओपन-सोर्स कम्युनिटी, डिजिटल इकासिस्टम और इंजीनियर ट्रेनिंग एलायंस समेत 5 प्रमुख वैश्विक पहलों की घोषणा की।

'नई दिल्ली समिट को सफल बनाने के लिए धन्यवाद', ब्रिक्स 2026 के समापन भाषण में बोले पीएम मोदी

भारत की अध्यक्षता में नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित हो रहे 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आज दूसरा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अनुपस्थिति में इस बड़े आयोजन में ब्रिक्स देशों के शीर्ष नेता और खास मेहमान एक मंच पर जुटे हैं। इस अहम बैठक में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और दक्षिण अफ्रीका, ईरान व मिश्र के राष्ट्राध्यक्ष हिस्सा ले रहे हैं। सम्मेलन के दूसरे दिन सभी नेता वैश्विक विकास और भविष्य की चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए एक विशेष ओपन सेशन में महामंथन करेंगे। आज होने वाले इस ओपन सेशन का थीम रेंजिलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी: शोपिंग द फ्यूचर फॉर इनक्लूसिव ग्लोबल ग्रोथ रखा गया है।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर सजेगी नई दिल्ली, NDMC का मेगा सेलिब्रेशन

चेयरमैन मनोज कुमार द्विवेदी के मार्गदर्शन में तैयारियां जोरों पर

17 सितम्बर से आयोजित होने वाले विशेष पखवाड़े में पौधरोपण, स्वच्छता, आर्ट एगजीबिशन तक होंगे खास आयोजन, कर्तव्य पथ पर जगमगाएंगे दीप



■ धर्मेन्द्र भदौरिया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर को खास बनाने के लिए नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (NDMC) ने विशेष पखवाड़े की तैयारी की है। NDMC चेयरमैन मनोज कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में आयोजित होने वाले इस विशेष अभियान में पर्यावरण, स्वच्छता, स्वास्थ्य, कला और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी।

इस मेगा सेलिब्रेशन के दौरान पौधरोपण अभियान के जरिए नई दिल्ली को और अधिक हरित बनाने का संदेश दिया जाएगा। वहीं रक्तदान शिविर के माध्यम से सामाजिक सेवा और मानवता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास होगा। इसके साथ ही विभिन्न

क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर स्वच्छ और सुंदर नई दिल्ली के संकल्प को मजबूती दी जाएगी।

कला के रंगों से सजेगी नई दिल्ली

विशेष पखवाड़े में आर्ट एगजीबिशन भी आयोजित की जाएगी। कला प्रदर्शनी के जरिए रचनात्मकता और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने के साथ नई दिल्ली की सांस्कृतिक पहचान को भी सामने लाने का प्रयास किया जाएगा।

कर्तव्य पथ पर रोशन होगा सेवा और संकल्प का संदेश

कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण कर्तव्य पथ पर दीप

प्रज्वलन होगा। दीपों की रोशनी के बीच नई दिल्ली को स्वच्छ, सुंदर और हरित बनाने के संकल्प को रेखांकित किया जाएगा। मनोज कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में NDMC का यह विशेष पखवाड़ा अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ आम नागरिकों को भी विभिन्न गतिविधियों से जोड़ने पर केंद्रित रहेगा। कार्यक्रमों के माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य और जनभागीदारी को बढ़ावा देने का संदेश दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित यह विशेष पखवाड़ा जनसेवा को उत्सव का रूप देने और नई दिल्ली को स्वच्छ, हरित एवं सुंदर बनाने के संकल्प को और मजबूत करने की दिशा में NDMC की विशेष पहल के रूप में सामने आएगा।

होटल कनॉट 'द ताज' मामले पर वास्तुविद् अंशु गुप्ता की रिपोर्ट पर उठे गंभीर सवाल

अंशु गुप्ता की गलत रिपोर्ट से होटल कनॉट द ताज को हुआ कथित लाभ और एनडीएमसी को हुई सरकारी राजस्व की हानि ?

रहस्यमय तरीके से कहां गुम हो गयी अंशु गुप्ता के सस्पेंशन की संस्तुति वाली फाइल

■ मुकेश मधुर/धर्मेन्द्र भदौरिया

नई दिल्ली। शहीद भगत सिंह मार्ग स्थित होटल कनॉट द ताज से जुड़े एक पुराने मामले में एक ऐसी कथित विभागीय कहानी सामने आ रही है, जिसने एनडीएमसी के वास्तुविद् विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामला उस समय का बताया जा रहा है, जब एनडीएमसी के मुख्य आर्किटेक्ट राजीव सूद थे और अंशु गुप्ता डिप्टी आर्किटेक्ट के पद पर कार्यरत थीं।

जानकारी के अनुसार, होटल कनॉट द ताज में कथित अनियमितताओं को लेकर तत्कालीन मुख्य वास्तुविद् राजीव सूद ने एनडीएमसी बॉयलॉज के उल्लंघन मामले की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की थी। बताया जाता है कि तत्कालीन मुख्य वास्तुविद् राजीव सूद ने कथित अनियमितताओं के निरीक्षण और उस पर रिपोर्ट को तैयार करने की अधिकारिक जिम्मेदारी डिप्टी आर्किटेक्ट अंशु गुप्ता को दी थी। रिपोर्ट को लेकर उठी थी आपत्ति!

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के



अनुसार, अंशु गुप्ता द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट में होटल से जुड़े कई महत्वपूर्ण तथ्यों का कथित रूप से उल्लेख नहीं किया गया। आरोप है कि रिपोर्ट में वास्तविक स्थिति को पूरी तरह सामने नहीं रखा गया और कई महत्वपूर्ण बिंदुओं को जानबूझकर छिपाया गया। बताया जाता है कि रिपोर्ट सामने आने के बाद तत्कालीन मुख्य वास्तुविद् राजीव सूद ने इस पर गंभीर आपत्ति जताई थी। इतना ही नहीं, जानकारी के अनुसार उन्होंने अंशु गुप्ता को फटकार लगाते हुए उनके खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की सिफारिश भी की थी।

फिर कहां गई सस्पेंशन वाली

फाइल? मामले का सबसे बड़ा सवाल अब यही है कि यदि अंशु गुप्ता के खिलाफ वास्तव में निलंबन की कार्रवाई शुरू की गई थी, तो उससे संबंधित सरकारी फाइल आज कहां है? कथित तौर पर जिस फाइल में रिपोर्ट, आपत्तियां, अधिकारियों की टिप्पणियां और निलंबन से संबंधित कार्रवाई दर्ज थी, वह अब उपलब्ध नहीं होने की बात कही जा रही है। ऐसे में सवाल उठाना स्वाभाविक है कि आखिर वह फाइल रिकॉर्ड से कैसे गायब हुई?

एक रिपोर्ट, कई सवाल

मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके बाद अंशु गुप्ता ने

एनडीएमसी के वास्तुविद् विभाग में लगातार वरिष्ठ पदों पर कार्य किया और अंततः वर्तमान में मुख्य वास्तुविद् के पद तक पहुंचीं और फिलहाल इसी पद पर सेवाएं दे रही हैं। ऐसे में यह सवाल भी जांच का विषय है कि उनके खिलाफ कभी निलंबन की जिस कार्रवाई की सिफारिश तत्कालीन मुख्य वास्तुविद् राजीव सूद ने की थी, तो बाद में वह मामला किस तरह समाप्त हुआ और उनकी सेवा संबंधी रिकॉर्ड में उसका क्या उल्लेख है।

अंशु गुप्ता की गलत रिपोर्ट से होटल कनॉट द ताज को हुआ कथित लाभ और एनडीएमसी को हुई सरकारी राजस्व की हानि? पूरे प्रकरण में सबसे गंभीर सवाल यह है कि होटल कनॉट के संबंध में में अधूरी या तथ्यों के विपरीत प्रस्तुत रिपोर्ट से वास्तविक लाभ किससे लाभ में गलत रिपोर्ट देने के एवज में तत्कालीन डिप्टी आर्किटेक्ट अंशु गुप्ता को क्या लाभ मिला?

जांच का विषय यह भी है कि क्या डिप्टी आर्किटेक्ट अंशु गुप्ता रिपोर्ट के आधार पर होटल के खिलाफ किसी प्रस्तावित कार्रवाई को रोकना गया? साथ

ही उक्त होटल में विद्यमान उपरोक्त अनियमितता का वर्तमान स्टेटस क्या है? आरोप है कि उपरोक्त अनियमितता के खिलाफ इसलिये कोई कार्यवाही नहीं हो पा रही है कि गलत रिपोर्ट देने वाली अंशु गुप्ता स्वयं ही मुख्य वास्तुविद् के पद पर विराजमान हैं।

इन सब सवालों के जवाब केवल एनडीएमसी की मूल फाइल, निरीक्षण रिपोर्ट, नोटशीट और संबंधित आदेशों की जांच से ही सामने आ सकते हैं। जानकारों का कहना है कि कथित सस्पेंशन फाइल वास्तव में रिकॉर्ड में थी और अब उपलब्ध नहीं है, तो यह अपने आप में एक गंभीर प्रशासनिक प्रश्न है। एनडीएमसी के चेयरमैन चाहें तो इस पूरे मामले की कथित रूप से गायब हो चुकी मूल फाइल, फाइल मूवमेंट और संबंधित अधिकारियों की नोटिंग सार्वजनिक कर इस रहस्य से मिला? होटल कनॉट द ताज के पक्ष में गलत रिपोर्ट देने के एवज में तत्कालीन डिप्टी आर्किटेक्ट अंशु गुप्ता को क्या लाभ मिला? जांच का विषय यह भी है कि क्या डिप्टी आर्किटेक्ट अंशु गुप्ता रिपोर्ट के आधार पर होटल के खिलाफ किसी प्रस्तावित कार्रवाई को रोकना गया? साथ

हर पीड़ित की समस्या का समाधान करा रही सरकार: मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ ने ‘जनता दर्शन’ में पीड़ितों से मुलाकात कर सुनीं समस्याएं

■ धर्मेन्द्र सिंह चंदेल
लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित पांच कालीदास मार्ग सरकारी आवास पर ‘जनता दर्शन’ में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पीड़ितों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि सरकार हर पीड़ित की उचित समस्या का समाधान कराने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की शिकायतों का निस्तारण संवेदनशीलता और शीघ्रता से किया जाए। हर पात्र व्यक्ति को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था करने और जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ अधिकारी कठोर कार्रवाई करें।

मुख्यमंत्री ‘जनता दर्शन’ में कुर्सियों पर बैठे हर पीड़ित के पास खुद चलकर गए और उनकी समस्याओं व शिकायतों को ध्यान से सुना। सबसे प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि हर पीड़ित की उचित समस्या का समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा। योगी आदित्यनाथ के समक्ष कुछ पीड़ितों ने पुलिस से जुड़ी अलग-अलग शिकायतें बताईं। इस पर मुख्यमंत्री सख्त हो गए। उन्होंने



कहा कि पुलिस आयुक्त, एडीजी, आईजी, डीआईजी, एसएसपी स्तर के अधिकारी ध्यान दें, किसी भी मामले में थाना, चौकी, बीट स्तर पर हीलाहवाली की शिकायत बर्दाश्त

नहीं होगी। हर मामले में दोषियों पर नियमसंगत कार्रवाई सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने राजस्व और कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री

ने ‘जनता दर्शन’ में अभिभावकों के साथ आए नन्हें-मुन्नों का हालचाल जाना। उनकी पुर्वाई और उनकी रुचि के बारे में भी पूछा। मुख्यमंत्री ने बच्चों से कहा कि खूब मन लगाकर

पढ़ो और अन्य गतिविधियों (खेल, संगीत, कला आदि) में भी हिस्सा लो। मुख्यमंत्री ने बच्चों को चाँकलेट देते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया।



■ विशेष संवाददाता
पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को हिन्दी दिवस के अवसर पर कहा कि हिन्दी केवल संवाद की भाषा नहीं, बल्कि हमारी पहचान, संस्कृति, सभ्यता और समृद्ध साहित्यिक परंपरा की अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि हिन्दी के गौरव को समझते हुए इसके व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिन्दी दुनिया में सर्वाधिक प्रयोग की जाने वाली भाषाओं में से एक है और यह हमारे सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हिन्दी साहित्य को समृद्ध बनाने में बिहार की धरती के अनेक महान साहित्यकारों का महत्वपूर्ण योगदान

रहा है। विद्यापति, राष्ट्रकवि रामधारी सिंह ‘दिनकर’ और जनकवि नागार्जुन जैसे रचनाकारों ने अपनी साहित्यिक कृतियों के माध्यम से हिन्दी को नई ऊँचाइयाँ प्रदान कीं और समाज को दिशा दी। उन्होंने कहा कि हिन्दी के साहित्यिक और सांस्कृतिक विस्तार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बिहार में दो दिवसीय हिन्दी साहित्य समारोह का आयोजन किया जाएगा।

इसमें देशभर के प्रमुख हिन्दी साहित्यकारों, रचनाकारों, कवियों और विद्वानों को आमंत्रित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बिहार में बाढ़ की स्थिति का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर बोले मुख्यमंत्री: मोदी सरकार के कार्यों पर जनता ने लगाई मोहर



■ विशेष संवाददाता
जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने पिछले दस वर्षों से अधिक समय में जो ऐतिहासिक कार्य किए हैं, उन पर राजस्थान की जनता ने नगरीय निकाय चुनावों में भाजपा के पक्ष में मतदान कर अपनी मोहर लगा दी है। जनता ने प्रधानमंत्री के विकसित भारत और विकसित राजस्थान के संकल्प को स्वीकार किया है।

मुख्यमंत्री सोमवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर नगरीय चुनावों में भाजपा के पक्ष में आए परिणामों को लेकर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने भाजपा की जीत को कार्यकर्ताओं के परिश्रम का फल बताते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक विजय कार्यकर्ताओं को समर्पित है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के बीच किए गए कार्यों के चलते भाजपा को यह

सफलता मिली है। चुनाव परिणामों से यह भी स्पष्ट हुआ है कि प्रदेश के युवाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके विजन पर फिर से भरोसा जताया है। आज राजस्थान के साथ-साथ पूरे देश का युवा प्रधानमंत्री के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने ग्रामीण से लेकर शहरी क्षेत्रों तक विभिन्न योजनाओं को धरातल पर उतारा है। पार्टी के जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने जनता के बीच जाकर महिला, युवा और गरीब कल्याण के लिए कार्य किया। इसी का परिणाम है कि जनता ने भाजपा सरकार पर विश्वास जताते हुए चुनावों में समर्थन दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने संकल्प पत्र के 78 प्रतिशत वादे पूरे कर दिए हैं। निकाय विकास संकल्प पत्र में किए गए वादों को भी पूरा किया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि नगरीय निकाय चुनावों के बाद आगामी पंचायत चुनावों में

■ विशेष संवाददाता
गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सेनी ने कहा कि भारत-यूके सीईटीए हरियाणा के लिए वैश्विक व्यापार के नए अवसर खोलने वाला महत्वपूर्ण समझौता है। इससे राज्य के टेक्सटाइल, फुटवियर, रत्न एवं आभूषण और इंजीनियरिंग जैसे प्रमुख क्षेत्रों को यूके के बाजार में बेहतर पहुंच मिलेगी। यह समझौता हरियाणा के युवाओं, किसानों, एमएसएमई और स्टार्टअप को वैश्विक निवेशकों और नई तकनीकों से जोड़कर विकास के नए अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।



मुख्यमंत्री सोमवार को गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में हरियाणा-यूके सीईटीए ट्रेड-जिज-अनलॉकिंग ग्लोबल अपरंचुनिटीज फॉर हरियाणा कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान ब्रिटिश उप-उच्चायुक्त (चंडीगढ़) अल्बा स्मैरिंग्लियो समेत अनेक लोग मौजूद रहे। यह कार्यक्रम यूके हाई कमिशन के सहयोग से किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के मात्र दो प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र में होने के बावजूद हरियाणा देश की सबसे गतिशील अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनकर उभरा है। मैनुफैक्चरिंग और ऑटोमोटिव सेक्टर से लेकर टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और कृषि तक राज्य ने नए आयाम स्थापित किए हैं। गुरुग्राम आज भारत के प्रमुख

व्यावसायिक, तकनीकी और वैश्विक सेवा केंद्रों में शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेजी से बदलती दुनिया, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और वैश्विक सप्लाय चेन के पुनर्गठन को ध्यान में रखते हुए हरियाणा ने गो ग्लोबल का दूरदर्शी विजन अपनाया है। भारत-यूके सीईटीए इस दिशा में एक मील का पत्थर है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सेनी ने कहा कि हरियाणवी परिवारों सहित लाखों प्रवासी भारतीयों ने यूके के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, वहीं ब्रिटिश संस्थानों ने भी

हरियाणा की विकास यात्रा में विश्वसनीय साझेदार की भूमिका निभाई है। नायब सिंह सेनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत वैश्विक निवेशकों के लिए एक विश्वसनीय गंतव्य बन चुका है और वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी ऐतिहासिक पड़ाव पर अगले वर्ष पांच से सात अप्रैल, 2027 तक हैपिंग हरियाणा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 के

प्रचार-प्रसार के लिए प्रमुख शहरों और जापान, दक्षिण कोरिया, दावोस, जर्मनी, यूके, ब्राजील, चिली और दुबई जैसे विश्व के नौ प्रमुख आर्थिक केंद्रों में रोड शो आयोजित किए जाएंगे। नायब सिंह सेनी ने कहा कि सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईआई, डेटा सेंटर, मेडिकल डिवाइस, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिक व्हीकल, एग्रीबिजनेस और ग्लोबल केपेबिलिटी सेंटर जैसे भविष्य के उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने हाल ही में 10 क्षेत्र-विशिष्ट नीतियां लागू की हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030-31 तक पांच

लाख करोड़ रुपये का नया निवेश आकर्षित करना और 10 लाख से अधिक रोजगार सृजित करना है। इन नीतियों के शुरूआत के पहले ही दिन 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपये के 110 एमओयू हुए, जिनमें 24 हजार 350 करोड़ रुपये का विदेशी निवेश शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा ने एमएसएमई और निर्यात क्षेत्र के लिए 60 परिवर्तनकारी पहल की हैं। फरवरी 2019 में पहली एमएसएमई नीति लागू किए जाने के बाद राज्य में 15 लाख से अधिक एमएसएमई का औपचारिक पंजीकरण हुआ है।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का वास्तविक समाधान हो, औपचारिक निस्तारण नहीं : धामी

■ विशेष संवाददाता
देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सचिवालय में सीएम हेल्पलाइन-1905 की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जन शिकायतों का त्वरित, समयबद्ध और संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों को केवल पोर्टल पर औपचारिक रूप से बंद करने के बजाय शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक समाधान किया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जिन जिलों में किसी विशेष प्रकृति की शिकायतें अधिक प्राप्त हो रही हैं, वहां जिलाधिकारी संबंधित विभागों के साथ विभागवार समीक्षा कर उनका शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें। एक ही तरह की शिकायतें बार-बार आने के कारणों का विश्लेषण कर उनके स्थायी समाधान के लिए भी प्रभावी नीतियां की जाएं।



उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को तहसीलों का औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान दाखिल-खारिज के मामलों के समयबद्ध निस्तारण की स्थिति की समीक्षा करने के साथ भूमि धोखाधड़ी से संबंधित शिकायतों का

प्राथमिकता से समाधान सुनिश्चित करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व संबंधी मामलों में लोगों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। मुख्यमंत्री ने स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता को शीघ्र प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने पेयजल संबंधी शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई करने तथा

पाइपलाइन और सीवर लाइनों का 15 दिन के भीतर ऑडिट कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। पेयजल आपूर्ति में व्यवधान और लीकेज जैसी समस्याओं का भी समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने 30 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों पर विशेष ध्यान देने को कहा। सचिव,

विभागध्यक्ष और जिलाधिकारी अपने स्तर पर लंबित शिकायतों की नियमित समीक्षा करें तथा निर्धारित अवधि में शिकायतों का निस्तारण नहीं करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। बैठक में 180 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों की विभागवार स्थिति भी प्रस्तुत की गई। मुख्यमंत्री ने ऐसे पुराने प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए उनके लंबित रहने के कारणों की समीक्षा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को शिकायतों को अनावश्यक रूप से ‘स्पेशल क्लोज’ या ‘फोर्स क्लोज’ नहीं करने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि शिकायत बंद करने से पहले यह सुनिश्चित किया जाए कि समस्या के समाधान के लिए अपेक्षित कार्रवाई की गई है। शिकायतकर्ता के फीडबैक के आधार पर निस्तारण की गुणवत्ता का आकलन भी किया जाए। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कुछ शिकायतकर्ताओं से फोन पर सीधे बातचीत कर निस्तारण की वास्तविक स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने अनुचित रूप से बंद की गई शिकायत के संबंध में संजय कुमार

रावत से बात की। रावत ने बताया कि उनके दिवंगत पिता के उपचार से संबंधित चिकित्सा प्रतीति के बिलों का भुगतान नहीं हुआ है। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को प्रकरण में तत्काल कार्रवाई कर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पौड़ी गढ़वाल निवासी बंबी कोटनाला ने मुख्यमंत्री को परित्यक्ता पेंशन से जुड़ी समस्या बताई। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी पौड़ी गढ़वाल को प्रकरण का तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। हरिद्वार निवासी गीता ने बताया कि उनके घर के पास करीब तीन माह पहले पानी की टंकी बन चुकी है, लेकिन अभी तक उससे पेयजल निकाला नहीं हुआ है। मुख्यमंत्री ने मुख्य विकास अधिकारी हरिद्वार को मौके पर जाकर स्थिति का निरीक्षण करने और तत्काल पेयजल आपूर्ति शुरू करने के निर्देश दिए।

देहरादून निवासी शिल्पी सक्सेना ने बताया कि स्ट्रीट लाइट से संबंधित उनकी शिकायत का समयबद्ध समाधान हो चुका है। वहीं अल्मोड़ा निवासी आयुष बिष्ट ने छात्रवृत्ति संबंधी शिकायत के समाधान की जानकारी दी।

हिंदी को विज्ञान और तकनीक की भी भाषा बनाना होगा: मुख्यमंत्री धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री कैप कार्यालय में आयोजित हिंदी दिवस समारोह में कहा कि हिंदी केवल संवाद की भाषा नहीं बल्कि राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक पहचान की सशक्त अभिव्यक्ति है। इसे विज्ञान, तकनीक, शोध और डिजिटल दुनिया की भी मजबूत भाषा बनाना होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने साहित्यकारों, लेखकों, भाषाविदों, छात्र-छात्राओं और हिंदी प्रेमियों को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हिंदी ने देश के विभिन्न क्षेत्रों, भाषाओं, बोलियों और संस्कृतियों के बीच संवाद का सेतु बनकर विविधता में एकता की भावना को मजबूत किया है। उन्होंने बताया कि 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को देवनागरी लिपि में संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था।

उन्होंने भारतेन्दु हरिश्चंद्र की पंक्तियों का उल्लेख करते हुए कहा कि अपनी भाषा केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की उन्नति का आधार भी है। जो समाज अपनी भाषा को सेहेजता है, वह अपनी संस्कृति और पहचान को भी सुरक्षित रखता है। धामी ने कहा कि वर्तमान समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और डिजिटल तकनीक का है। ऐसे में हिंदी को पुस्तकों और कक्षाओं तक सीमित रखने के बजाय विज्ञान, तकनीक, शोध और डिजिटल माध्यमों से जोड़ना होगा। युवाओं को नई तकनीक और अन्य भाषाएं

सीखने के साथ हिंदी और मातृभाषा पर गर्व बनाए रखना चाहिए। मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड की लोकभाषाओं के संरक्षण पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि गढ़वाली, कुमाऊंकी, जौनसारी, भोतिया, थारू और बंगाली समेत प्रदेश की लोकभाषाएं और बोलियां राज्य की सांस्कृतिक धरोहर हैं। सरकार हिंदी के साथ क्षेत्रीय भाषाओं, साहित्य और साहित्यकारों के संरक्षण एवं सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ‘दीर्घकालीन साहित्य सेवा सम्मान’ के तहत साहित्यकारों को पांच लाख रुपये की सम्मान राशि दी जा रही है। ‘उत्तराखंड साहित्य गौरव सम्मान’ के तहत हिंदी सहित विभिन्न भाषाओं के साहित्यकारों को सम्मानित किया जा रहा है। ‘साहित्य भूषण’ पुरस्कार में 5.51 लाख रुपये की सम्मान राशि प्रदान की जाती है। इसके अलावा साहित्य को डिजिटल माध्यमों से जोड़ने, ‘बुके नहीं, बुक देंगे’ पहल के जरिए पुस्तक पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देने और रचनाकारों को पुस्तक प्रकाशन के लिए आर्थिक अनुदान देने का काम किया जा रहा है। इस अवसर पर साहित्यिक एवं रचनात्मक लेखन प्रतियोगिताओं के 126 विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, विधायक सविता कपूर, उमेश शर्मा काऊ, प्रो. जगत सिंह बिष्ट, सचिव भाषा विभाग उमेश नारायण पांडे, निदेशक भाषा मायावती ढकरियाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर चलाया जाएगा ‘सेवा संकल्प अभियान’

दिल्ली सरकार 13.820 करोड़ की परियोजनाओं का करेगी उद्घाटन और शिलान्यास

■ धर्मैन्द गढौरिया

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक दिल्ली में एक माह का ‘सेवा संकल्प अभियान’ चलाया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत दिल्ली सरकार के सभी विभाग जनसेवा से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करेंगे। अभियान के दौरान दिल्ली में लगभग 13,820 करोड़ रुपये की लागत वाली विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित ‘सेवा संकल्प अभियान’ की पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने निरंतर जनसेवा को अपना ध्येय बनाया है। उनकी कार्यशैली और सेवा के प्रति समर्पण सभी के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा 17 सितंबर को प्रधानमंत्री के जन्मदिवस के अवसर पर एक विशेष मेगा रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। दिल्ली सरकार के शिविर में एक ही दिन में 2,500 यूनिट रक्त एकत्र करने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही, समाज कल्याण विभाग और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से दिल्ली में वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित करेगा। इन शिविरों के माध्यम से लगभग 25,000 वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य की जांच की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि श्रम विभाग दिल्ली में काम करने वाले श्रमिकों और निर्माण श्रमिकों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करेगा।

अवैध निर्माण पर सख्त कार्रवाई और आवारा पशुओं के प्रबंधन के दिए निर्देश



■ विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सोमवार को लोक निवास में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) कमिश्नर संजीव खिरवार से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राजधानी में चल रहे कामों की समीक्षा की। उपराज्यपाल ने दिल्ली में समय पर कूड़ा उठाना, सड़कों की सफाई, जल-जमाव की समस्या से निपटना, आवारा पशुओं का प्रबंधन और अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए निर्देश दिए हैं। उन्होंने सड़कों के बार-बार टूटने और आने-जाने वालों को होने वाली परेशानी को रोकने के लिए, सड़क खोदने वाली और सड़क की देखरेख करने वाली एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल की जरूरत पर जोर दिया। उपराज्यपाल ने संबंधित विभागों को जमीनी स्तर पर काम करने और जवाबदेही तय सुनिश्चित करने पर जोर दिया है।

सत्य निकेतन जैसे हादसों के लिए जिम्मेदार कौन-कौन?

भवन विभाग के भ्रष्टाचार की माल-मलाई में हिस्सेदार ओआई और बेलदारों की भूमिका की भी होनी चाहिए जांच

■ धर्मैन्द गढौरिया

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन में अवैध रूप से चलाये जा रहे हॉस्टल की इमारत गिरने से सात मासूम छात्रों की मौत के बाद हालांकि दिल्ली नगर निगम के उपायुक्त समेत आठ अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया, लेकिन यह कार्यवाही तत्कालिक रोष और सरकार का कोपभाजन बनने से बचने के लिए की गयी प्रतीत होती है। लेकिन कुछ जड़ों पर कभी भी प्रहार नहीं हो पाता। कारण यह कि निगम के जोनल कार्यालय में उपायुक्त एवं भवन विभाग के बीच कई अधिकारियों की कड़ी है, जो हर सांस के साथ नये भ्रष्टाचार को जन्म देती है और कोई भी हादसा होने की स्थिति में साफ बच जाती है। इन अधिकारियों में भवन विभाग के ओआई और बेलदारों के अलावा कम्प्लीशन सर्टिफिकेट जारी करने वाले कर्मचारी और अधिकारी

शामिल होते हैं। ये अधिकारी और कर्मचारी भ्रष्टाचार की माल-मलाई में तो पूरे हिस्सेदार होते हैं, लेकिन कोई अनहोनी होने पर साफ बच निकलते हैं। जानकारी के लिए बता दें कि साउथ जोन में भवन विभाग को दो भागों में बांटा गया है। पहले भाग में ग्रीन पार्क, साउथ एक्सप्रेसवेन, सफदरजंग एक्स्लेव, सत्य निकेतन आदि कालोनियां आती हैं और दूसरे भाग में वसंत विहार, महरोली, छतरपुर, सैनिक फार्मस किशनगढ़ आदि कालोनियां आती हैं। दिल्ली नगर निगम के जानकारी बताते हैं कि ओआई के बिना भवन विभाग का काम चल ही नहीं सकता। यह भी एक तथ्य है कि साउथ जोन में भवन विभाग के दो खंड होने के बावजूद एक ही ओआई दोनों का काम देखता है। देखने में इस साधारण से पद की कार्यशैली बड़ी रहस्यमय है। यह ओआई भवन विभाग से जुड़ी हर

फाइल और उसकी जायज-नाजायज मूवमेंट का कस्टोडियन होता है। जोन के अंतर्गत होने वाले प्रत्येक वेध और अवैध निर्माण की छोटी बड़ी फाइलें, कम्प्लीशन सर्टिफिकेट के लिए आये आवेदन, आरटीआई का जवाब देने के नाम पर आरटीआई आवेदनकर्ता को भ्रमित करने के लिए उल्टे-सीधे जवाब तैयार करने की जिम्मेदारी, अनेक विभागों के साथ अवैध धन के बंटवारे का तारतम्य बैठाने की जिम्मेदारी ओआई की होती है। लेकिन परदे के पीछे काम करने वाले ओआई, बेलदार और अन्य विभागीय कर्मचारी किसी भी हादसे के स्थिति में सुरक्षित रहते हैं।

गौरतलब है कि सत्य निकेतन इलाके में 6 सितंबर को एक 5 मंजिला छात्र पेइंग गेस्ट इमारत जमींदोज हो गई। इस भीषण हादसे ने पूरी दिल्ली को झकझोर कर रख दिया। हादसे में 7 छात्रों की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से

घायल हो गए। जांच में सामने आया कि करीब 50 साल पहले बनी यह पूरी इमारत बिना किसी स्वीकृत बिल्डिंग प्लान या सुरक्षा मानकों के अवैध रूप से खड़ी की गई थी। इस हादसे के बाद त्वरित कार्यवाही करते हुए प्रशासन ने दिल्ली नगर निगम के साउथ जोन के उपायुक्त समेत कुल 8 अधिकारियों (इंजीनियरों और उपायुक्त) को सस्पेंड कर दिया। यह पहली बार है कि ऐसे किसी हादसे के लिये उपायुक्त स्तर के अधिकारी को जिम्मेदार मानते हुए उसे निलंबित किया गया है। इन निलंबित अधिकारियों की सूची इस प्रकार है:

पहले चरण में सस्पेंड हुए 5 मुख्य अधिकारी (7 सितंबर 2026), राकेश कुमार - उपायुक्त (डिप्टी कमिश्नर), साउथ जोन, रणवीर सिंह - सुपरिटेण्डेंट इंजीनियर, ललित कुमार गोयल - एग्जिक्यूटिव इंजीनियर (बिल्डिंग), सुनील चेहान - असिस्टेंट इंजीनियर (बिल्डिंग),

आशीष कुमार - जूनियर इंजीनियर (बिल्डिंग), दूसरे चरण में सस्पेंड हुए अधिकारी (10 सितंबर 2026), रविंदर कुमार (सहायक अभियंता), सुमन सोरभ (कनिष्ठ अभियंता), मोहित यादव (कनिष्ठ अभियंता), मकान मालिकों की गिरफ्तारी- दिल्ली पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए इमारत के मालिक और रिटायर्ड आईएएफ साजेंट हरिराम गुप्ता, उनकी पत्नी उर्मिला, बेटे महेश और लेबर कॉन्ट्रैक्टर को गिरफ्तार कर लिया है। इनके खिलाफ गैर-इरादतन हत्या के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। पुरुआती जांच में सामने आया है कि कि महज 55 वर्ग गज के छोटे से प्लॉट पर बनी यह इमारत करीब 50 साल पुरानी थी। मकान मालिक द्वारा इसके बेसमेंट में पिलर की मरम्मत और अवैध खुदाई का काम कराया जा रहा था, जिससे लोड-बेयरिंग दीवार कमजोर हो गई और पूरी संरचना ढह गयी।

नई दिल्ली, 16 से 30 सितंबर, 2026 तक

‘सेवा संकल्प अभियान’

दिल्ली सरकार 13.820 करोड़ की परियोजनाओं का करेगी उद्घाटन और शिलान्यास

प्रधानमंत्री ने ‘सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास’ को जीवन मंत्र बनाया है: हर्ष मल्होत्रा



दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एवं दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने आज एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित किया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोक कल्याण सेवा के 25 वर्ष पूरे होने एवं उनके आगामी 17 सितम्बर को जन्मदिवस के उपलक्ष में दिल्ली सरकार एवं दिल्ली भाजपा संगठन ने 17 सितम्बर से 18 अक्टूबर 2026 तक रसेवा संकल्प अभियान - जनसेवा भी प्रभु सेवा मराने का निर्णय लिया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस का संचालन मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर ने किया और कहा कि आज हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सेवा समर्पण एवं उनके जन्मदिवस के उपलक्ष में एक माह के कार्यक्रमों का विवरण जारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश महामंत्री योगिता सिंह इसकी संगठन की ओर से संयोजक हैं और ऋचा पांडेय, मनोज कुमार, अभिषेक टंडन, सरदार राजा इकबाल सिंह, दिव्य जयसवाल, आजाद सिंह अलग अलग संसदीय क्षेत्र का सेवा कार्य देखेंगे, साथ

ही विभिन्न 12 संगठनात्मक कार्यक्रमों के लिए वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को संयोजक बनाया गया है। दिल्ली सरकार की ओर से मुख्य मंत्री रेखा गुप्ता के मार्गदर्शन में मंत्री कपिल मिश्रा नोडल मंत्री होंगे और मंत्री प्रवेश साहिब सिंह एवं आशीष सूद अपने विभागों से जुड़े कार्यक्रम देखेंगे। नरेन्द्र मोदी ने 2001 में वाइब्रेंट गुजरात के शिल्पकार के रूप में विकास की जो नींव रखी, वही आज विकसित भारत 2047 का संकल्प बन चुकी है। गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर देश के प्रधानमंत्री तक मोदी ने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास को जीवन मंत्र बनाया। पिछले 11 वर्षों में उन्होंने गरीब कल्याण को केंद्र में रखकर 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला। जनधन, उज्ज्वला, आयुष्मान, पीएम आवास से अंतिम व्यक्ति को सशक्त किया। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया से भारत को दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था बनाया है। जी-20 की मेजबानी से लेकर ब्रिक्स सम्मेलन की अध्यक्षता तक नरेन्द्र मोदी ने विश्व मंच पर भारत का गौरव बढ़ाया है। मोदी जी केवल राजनेता नहीं, वे विकास पुरुष हैं जिन्होंने राष्ट्र प्रथम की भावना से 25 वर्षों तक बिना रुके सेवा की है और आगे भी जारी रहेगी। दिल्ली भाजपा उनके इस सेवा संकल्प को सेवा से मनाएगी।

ही विभिन्न 12 संगठनात्मक कार्यक्रमों के लिए वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को संयोजक बनाया गया है। दिल्ली सरकार की ओर से मुख्य मंत्री रेखा गुप्ता के मार्गदर्शन में मंत्री कपिल मिश्रा नोडल मंत्री होंगे और मंत्री प्रवेश साहिब सिंह एवं आशीष सूद अपने विभागों से जुड़े कार्यक्रम देखेंगे। नरेन्द्र मोदी ने 2001 में वाइब्रेंट गुजरात के शिल्पकार के रूप में विकास की जो नींव रखी, वही आज विकसित भारत 2047 का संकल्प बन चुकी है। गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर देश के प्रधानमंत्री तक मोदी ने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास को जीवन मंत्र बनाया। पिछले 11 वर्षों में उन्होंने गरीब कल्याण को केंद्र में रखकर 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला। जनधन, उज्ज्वला, आयुष्मान, पीएम आवास से अंतिम व्यक्ति को सशक्त किया। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया से भारत को दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था बनाया है। जी-20 की मेजबानी से लेकर ब्रिक्स सम्मेलन की अध्यक्षता तक नरेन्द्र मोदी ने विश्व मंच पर भारत का गौरव बढ़ाया है। मोदी जी केवल राजनेता नहीं, वे विकास पुरुष हैं जिन्होंने राष्ट्र प्रथम की भावना से 25 वर्षों तक बिना रुके सेवा की है और आगे भी जारी रहेगी। दिल्ली भाजपा उनके इस सेवा संकल्प को सेवा से मनाएगी।

के लगभग 5,000 स्कूलों के 5 लाख विद्यार्थियों को इन प्रतियोगिताओं से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 17 सितंबर की शाम ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके अंतर्गत दिल्ली के लाभार्थी अपने-अपने घरों में दीप जलाकर प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिवस की शुभकामनाएं देंगे। उन्होंने बताया कि ‘नमो सेवा की अनकही कहानियां’

कार्यक्रम के अंतर्गत उन लाभार्थियों को वास्तविक जीवन की कहानियां सामने लाई जाएंगी, जिनके जीवन में सरकारी योजनाओं और सेवाओं से सकारात्मक परिवर्तन आया है। दिल्ली सरकार लाभार्थियों के बीच जाकर उनकी कहानियों का संकलन करेगी। इन कहानियों को वीडियो और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से जनता के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि

दिल्ली में 10,897 आंगनवाड़ी केंद्र हैं, जहां लगभग 21,350 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कार्यरत हैं। सेवा संकल्प अभियान के दौरान इन सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ‘सेवा सेतु अभियान’ के अंतर्गत केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार की विभिन्न योजनाओं को सीधे जनता तक पहुंचाया जाएगा।

एसआईआर के नाम पर वोट कटौती नहीं होने देंगे: देवेंद्र यादव

■ विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि एसआईआर (स्पेशल इंटीग्रेटेड रिवीजन) के नाम पर संभावित वोट कटौती और मतदाता सूची में गड़बड़ियों की आशंका के खिलाफ दिल्ली कांग्रेस ने व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। इसी क्रम में दिल्ली के प्रभारी काजी निजामुद्दीन की मौजूदगी और दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव के नेतृत्व में बीएलए-1 साधियों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में किया गया। कार्यशाला बुथ मेनेजमेंट डिपार्टमेंट के चेयरमैन राजेश गार्ग द्वारा आयोजित की गई, जिसमें दिल्ली की सभी विधानसभाओं से आए बीएलए-1 साधियों को एसआईआर प्रक्रिया के क्लेमस एंड ऑब्जेक्शन फेज के दौरान दिल्ली की जनता की किस प्रकार सहायता करनी है, इसके विभिन्न पहलुओं पर बीएलए-1 को विस्तृत एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमिटी के संगठन महासचिव पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज, महासचिव गोरी शंकर शर्मा, और लीमल एंड ह्यूमन राइट्स विभाग के चेयरमैन एडवोकेट सुनील कुमार ने



भी हिस्सा लिया। इस अवसर पर दिल्ली के प्रभारी काजी निजामुद्दीन ने अपने संबोधन में कहा कि उन्होंने उत्तराखंड में एसआईआर के दौरान मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए लंबी लड़ाई लड़ी है। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बीएलए-1 साधियों से कहा कि यदि संकल्प लिया जाए कि किसी भी वेध नागरिक का वोट नहीं कटने दिया जाएगा, तो कोई भी नियम किसी नागरिक को उसके मताधिकार से वंचित नहीं कर सकता। उन्होंने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची में नाम जुड़ने का मूल आधार भारतीय नागरिक होना है, किसी व्यक्ति के पास स्थायी पता हो या वह बेघर हो, यह उसके मताधिकार को प्रभावित नहीं करता। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में लोगों में चिंता है और लंबी कतारों में खड़े होकर वे अपने अधिकारों की रक्षा कर रहे हैं, ऐसे में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि वे जनता के साथ खड़े रहें।

एमसीडी ने दिल्ली में प्रवर्तन अभियान किया तेज

40 स्थानों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई, 8 संपत्तियां सील

■ विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने शहर के सभी 12 जोनों में खतरनाक इमारतों, अनधिकृत निर्माण तथा दिल्ली के मास्टर प्लान (एमपीडी) और भवन उप-नियमों के उल्लंघन के खिलाफ अपने प्रवर्तन अभियान को तेज कर दिया है। आज चलाए गए गहन प्रवर्तन अभियान के तहत एमसीडी के सभी 12 जोनों में 40 ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। इसके अलावा, 8 संपत्तियों को सील किया गया और लागू भवन मानदंडों एवं नियमों का



उल्लंघन पाए जाने पर 14 ध्वस्तीकरण आदेश पारित किए गए। एमसीडी ने कल भी प्रवर्तन कार्रवाई की थी, जिसके दौरान दिल्ली के मास्टर प्लान और भवन उप-नियमों

प्रमुख ध्वस्तीकरण कार्रवाई वाले क्षेत्र

आज चलाए गए प्रवर्तन अभियान के दौरान काले बाग जोन के टी.सी. कैप, ब्लॉक-टी, पांडव नगर; ईस्ट पटेल नगर; रेगपुरा, करोल बाग; माता रमेश्वरी, नेहरू नगर; तथा नारायणा इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-I में प्रमुख ध्वस्तीकरण कार्रवाई की गई। ईस्ट जोन में ईस्ट विनोद नगर, मयूर विहार फेज-II, रघुवरपुरा और गांधी नगर के धर्मपुरा सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रवर्तन कार्रवाई की गई। नॉर्थ जोन में मलका गंज में ध्वस्तीकरण कार्रवाई की गई। और पूरी संरचना ढह गयी।

के उल्लंघन के चलते 11 संपत्तियों को ध्वस्त किया गया तथा 4 अन्य संपत्तियों को सील किया गया। **दिल्ली में पीजी भवनों का व्यापक सर्वेक्षण** एमसीडी अपनी निरंतर प्रवर्तन एवं निरीक्षण पहल के तहत दिल्लीभर में पेइंग गेस्ट (पीजी) आवासीय भवनों का व्यापक फील्ड सर्वेक्षण भी कर रही है। इसका उद्देश्य व्यापक डेटाबेस तैयार करना तथा आगे की कार्रवाई की रूपरेखा तय करना है। अब तक किए गए सर्वेक्षण के तहत दिल्ली में लगभग 2,453 ऐसे भवनों की पहचान की गई है, जहां पीजी सुविधाएं संचालित हो रही हैं। एमसीडी लागू भवन मानदंडों और अन्य वैधानिक आवश्यकताओं के अनुपालन का आकलन करने के लिए सर्वेक्षण एवं निरीक्षण की यह प्रक्रिया लगातार जारी रखे हुए है।



मानसिक स्वास्थ्य की पहली चौखट बनता एआई

मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियों के बीच अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आधारित चैटबॉट लोगों के लिए तेजी से संपर्क का पहला माध्यम बनते जा रहे हैं। अकेलापन, चिंता, तनाव, अवसाद, रिश्तों की उलझन या भावनात्मक संकट के क्षणों में कई लोग पहले किसी चिकित्सक के पास जाने के बजाय एआई से बातचीत करना पसंद कर रहे हैं। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में, जहां मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच अभी भी असमान है, एआई तकनीक एक नई संभावना प्रस्तुत करती है। हालाँकि, यह समझना आवश्यक है कि एआई मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने का माध्यम हो सकता है, उनका विकल्प नहीं।

भारत में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की सबसे बड़ी चुनौतियों में प्रशिक्षित विशेषज्ञों की सीमित उपलब्धता, ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में सेवाओं का अभाव, उपचार की लागत तथा मानसिक बीमारी से जुड़ा सामाजिक कलंक शामिल हैं। ऐसे वातावरण में एआई की चौबीसों घंटे उपलब्धता महत्वपूर्ण अवसर पैदा करती है। व्यक्ति जब चाहे अपनी समस्या साझा कर सकता है और प्रारंभिक स्तर पर जानकारी, भावनात्मक सहारा तथा स्व-सहायता संबंधी सुझाव प्राप्त कर सकता है। एआई आधारित डिजिटल मानसिक स्वास्थ्य प्लेटफॉर्म इस दिशा में उपयोगी भूमिका निभा सकते हैं। मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के प्रति सामाजिक झिझक भी एआई के उपयोग को बढ़ावा दे सकती है। अनेक लोग परिवार, मित्र या चिकित्सक के सामने अपनी भावनाएं व्यक्त करने में संकोच करते हैं। अपेक्षाकृत गुमनाम डिजिटल बातचीत उन्हें अपनी चिंता, डर और परेशानियों को शब्द देने का अवसर देती है। इस प्रकार चैटबॉट मानसिक स्वास्थ्य संबंधी संवाद की पहली सीढ़ी बन सकते हैं और व्यक्ति को आवश्यकता होने पर आगे पेशेवर सहायता लेने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

एआई का एक महत्वपूर्ण लाभ शुरुआती स्क्रीनिंग में भी है। व्यक्ति के संवाद, व्यवहार और कुछ डिजिटल संकेतों का विश्लेषण करके एआई संभावित चिंता, अवसाद या अन्य मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों की पहचान में सहायता कर सकता है। हालाँकि ऐसी स्क्रीनिंग को अंतिम चिकित्सकीय निदान नहीं माना जाना चाहिए। इसका उद्देश्य केवल संभावित जोखिम को पहचानकर व्यक्ति को उचित विशेषज्ञ तक पहुंचाने में सहायता करना होना चाहिए। भारत की भाषाई विविधता को देखते हुए बहुभाषी एआई तकनीक भी विशेष महत्व रखती है। यदि मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और प्रारंभिक सहायता केवल अंग्रेजी या कुछ सीमित भाषाओं तक रहेगी, तो बड़ी आबादी इससे बाहर रह जाएगी। भाषा-तकनीक और भारतीय भाषाओं के लिए विकसित डिजिटल प्रणालियाँ इस अंतर को कम कर सकती हैं।

बहिष्म में ऐसी सेवाओं को टेली-मानस जैसी सरकारी मानसिक स्वास्थ्य पहलों के साथ जोड़कर दूरदराज के क्षेत्रों तक प्रारंभिक सहायता पहुंचाई जा सकती है। व्यक्तिगत सहायता भी एआई की एक उपयोगी विशेषता हो सकती है। दवा लेने की याद दिलाना, नौद और दिनचर्या पर ध्यान देने के लिए प्रेरित करना, तनाव कम करने के अभ्यास सुझाना या संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा आधारित संरचित स्व-सहायता गतिविधियों में मार्गदर्शन देना कुछ ऐसे क्षेत्र हैं, जहां एआई सहयोगी भूमिका निभा सकता है। चिकित्सकों के लिए भी एआई मरीजों की नियमित निगरानी, जोखिम वाले मामलों की पहचान और प्राथमिकता तय करने में सहायक हो सकता है। इससे सीमित मानव संसाधनों का अधिक प्रभावी उपयोग संभव हो सकता है। अवसरों के साथ जोखिम भी गंभीर हैं। भावनात्मक संकट में व्यक्ति अत्यधिक संवेदनशील स्थिति में होता है। यदि एआई गलत, अधूरी या संदर्भहीन जानकारी देता है तो वह व्यक्ति की समस्या को और बढ़ा सकता है। किसी नकारात्मक या भ्रमपूर्ण धारणा को चुनौती देने के बजाय चैटबॉट अनजाने में उसे मजबूत कर दे, तो परिणाम गंभीर हो सकते हैं। यही कारण है कि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े एआई सिस्टम में सामान्य सूचना देने वाले चैटबॉट और चिकित्सकीय सहायता देने वाले प्रमाणित उपकरणों के बीच स्पष्ट अंतर होना चाहिए। सबसे बड़ा खतरा तब पैदा होता है जब व्यक्ति एआई को वास्तविक चिकित्सक का विकल्प समझने लगता है। लगातार बातचीत के कारण भावनात्मक निर्भरता भी विकसित हो सकती है। व्यक्ति यह मान सकता है कि मशीन उसकी भावनाओं को पूरी तरह समझती है, जबकि एआई के पास मानवीय अनुभव, नैतिक निर्णय, नैदानिक ​​विवेक और वास्तविक सामाजिक संबंधों को समझने की सीमाएं हैं। आत्महत्या या आत्महानि जैसे संकटपूर्ण मामलों में यह सीमा और अधिक गंभीर हो जाती है। व्यक्ति हमेशा सीधे शब्दों में अपनी स्थिति व्यक्त नहीं करता। उसके संकेत अप्रत्यक्ष, अस्पष्ट या सांस्कृतिक संदर्भों में छिपे हो सकते हैं। यदि एआई ऐसी चेतावनियों को पहचानने में विफल रहता है या समय पर मानवीय सहायता से नहीं जोड़ता, तो नुकसान की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए उच्च जोखिम वाले मामलों में चैटबॉट को बातचीत जारी रखने के बजाय प्रशिक्षित व्यक्ति, हेल्पलाइन या आपातकालीन सेवा की ओर तत्काल मार्गदर्शन करने में सक्षम होना चाहिए।



गणेशोत्सव

प्रथम पूज्य गणपति में समाहित है बुद्धि, विवेक और मंगल का संदेश

उदय कुमार

देशभर में गणेशोत्सव की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। 14 सितंबर से शुरू होने वाले इस महोत्सव की धूम 25 सितंबर तक रहेगी। लोग श्रद्धा-भक्ति के साथ भगवान गणेश का पूजन-अर्चन कर संपूर्ण मनोकामनाओं की पूर्ति का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। वास्तव में विघ्नहर्ता, मंगलमूर्ति, गणनायक, एकदंत, लंबोदर और गजानन जैसे अनेक नामों से पूजे जाने वाले भगवान गणेश भारतीय धार्मिक और सांस्कृतिक जीवन में विशिष्ट स्थान रखते हैं। किसी भी शुभ कार्य के आरंभ में प्रथम पूज्य के रूप में गणपति का स्मरण करने की परंपरा रही है। धार्मिक मान्यताओं में उन्हें बुद्धि, विवेक, विद्या और शुभारंभ का देवता माना गया है। यही कारण है कि विवाह, गृहप्रवेश, यज्ञ, पूजा, व्यापार और शिक्षा जैसे मांगलिक कार्यों में सबसे पहले गणेश पूजन किया जाता है। इस वर्ष गणेश चतुर्थी 14 सितंबर को मनाई जाएगी। इसी दिन घरों और सार्वजनिक पंडालों में भगवान गणेश की प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। दस दिवसीय गणेशोत्सव का समापन 25 सितंबर को अनंत चतुर्दशी के दिन होगा। हालांकि परंपरा के अनुसार कई परिवार डेढ़, तीन, पांच या सात दिन बाद भी अपनी सुविधा और कुलाचार के अनुसार गणपति विसर्जन करते हैं। गणेशोत्सव अब केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है। यह कला, लोकसंस्कृति, सामुदायिक सहभागिता और सामाजिक चेतना से जुड़ा व्यापक पर्व बन चुका है। महाराष्ट्र में सार्वजनिक गणेशोत्सव ने सामाजिक एकता और स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में जनजागरण का माध्यम बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समय के साथ यह पर्व देश के विभिन्न हिस्सों और विदेशों में बसे भारतीय समुदायों तक पहुंच गया।

गणेश : बुद्धि और मंगल के प्रतीकसनातन परंपरा में भगवान गणेश को विघ्नहर्ता और बुद्धि-विवेक का अधिष्ठाता माना जाता है। धार्मिक विश्वास है कि किसी भी शुभ कार्य से पहले गणेश पूजन करने से कार्य निर्विघ्न संपन्न होता है। गणेश शब्द की व्याख्या ‘गणों के ईश’ के रूप में की जाती है। वे भगवान शिव और माता पार्वती के पुत्र तथा शिवगणों के अधिपति माने जाते हैं। धार्मिक परंपराओं में गणेश को विद्या, बुद्धि, सिद्धि, समृद्धि और आनंद से भी जोड़ा गया है। बुधवार को भी गणेश आराधना का विशेष महत्व माना जाता है। धार्मिक और ज्योतिषीय मान्यताओं में बुध ग्रह को बुद्धि, वाणी, गुणना और व्यापार से जोड़ा जाता है। हालांकि इससे जुड़े फल धार्मिक और ज्योतिषीय विश्वासों का हिस्सा हैं। गणेश चतुर्थी का धार्मिक महत्वभाद्रपद शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को गणेश चतुर्थी मनाई जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इसी तिथि को भगवान गणेश का प्राकट्य हुआ था। श्रद्धालु इस दिन विधि-विधान से गणपति की स्थापना कर दूर्वा, मोदक, लड्डू और पुष्प अर्पित करते हैं। घरों और पंडालों में पूजा, आरती, भजन-कीर्तन तथा अन्य धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। अंतिम चरण में गणपति प्रतिमा का विसर्जन किया जाता है। धार्मिक भाव में इसे भगवान गणेश के अपने ग्राम लोटने और अगले वर्ष फिर आने के निमंत्रण से जोड़ा जाता है। वर्ष 2026 में गणेश चतुर्थी 14 सितंबर को और अनंत चतुर्दशी 25 सितंबर को होगी। चतुर्थी तिथि 14 सितंबर से 15 सितंबर की सुबह तक रहने के बावजूद पर्व का पालन उदयातिथि के अनुसार 14 सितंबर को किया जाएगा। महाराष्ट्र से देशव्यापी जनोत्सव तकगणेश पूजा की परंपरा प्राचीन है लेकिन महाराष्ट्र में इसे सार्वजनिक और व्यापक सामाजिक उत्सव का स्वरूप अपेक्षाकृत आधुनिक दौर में मिला। मराठा शासन और पेशवा काल में गणेश आराधना का विशेष महत्व प्राप्त था। बाद में सार्वजनिक गणेशोत्सव को व्यापक स्वरूप देने का श्रेय लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक से जुड़ा। 1893 में पुणे में तिलक ने गणेशोत्सव को सार्वजनिक रूप देने का प्रयास किया। उनका उद्देश्य धार्मिक आयोजन को सामाजिक एकता, जनजागरण और राष्ट्रीय चेतना के मंच के रूप में विकसित करना था। ब्रिटिश शासन के दौर में बड़े राजनीतिक जमावड़ों पर कई तरह की पाबंदियां थीं। ऐसे समय में धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन समाज के विभिन्न वर्गों को एक साथ लाने का माध्यम बने। सार्वजनिक गणेशोत्सव ने महाराष्ट्र में सामूहिक भागीदारी और राष्ट्रवादी चेतना को मजबूत किया। बाद के वर्षों में इसकी लोकप्रियता महाराष्ट्र से बाहर भी फैलती गई। आज मुंबई, पुणे, नागपुर, हैदराबाद, बंगलुरु, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई सहित देश के अनेक शहरों में बड़े सार्वजनिक आयोजन होते हैं। विदेशों में भी गूंजता है ‘गणपति बप्पा मोरया’ भारतीय प्रवासी समुदाय के विस्तार के साथ गणेशोत्सव दुनिया के कई देशों तक पहुंच चुका है। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, मलेशिया और मॉरीशस सहित अनेक देशों में भारतीय समुदाय गणेश चतुर्थी पर पूजा और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करता है। विदेशों में यह पर्व भारतीय समुदाय की सांस्कृतिक पहचान और नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं से जोड़ने का माध्यम भी बन रहा है। दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के कई हिस्सों में गणेश की प्राचीन प्रतिमाएं और उनसे जुड़े सांस्कृतिक प्रतीक मिलते हैं। इंडोनेशिया सहित कई देशों में गणेश की ऐतिहासिक प्रतिमाएं भारतीय सांस्कृतिक प्रभाव के पुराने प्रसार की ओर संकेत करती हैं। हालांकि इन क्षेत्रों में गणेश चतुर्थी भारत जैसी एकरूप परंपरा में मनाई जाती रही हो, ऐसा कहना उचित नहीं होगा। क्यों हैं गणपति गणेश के प्रथम पूज्य होने को लेकर पुराणों और लोकपरंपराओं में अनेक कथाएं प्रचलित हैं। इनमें गणेश और उनके बड़े भाई कार्तिकेय से जुड़ी कथा सबसे प्रसिद्ध है। कथानुसार एक बार दोनों भाइयों के बीच श्रेष्ठता को लेकर प्रश्न उठा। भगवान शिव ने कहा कि जो पूरे संसार की परिक्रमा करके पहले लौटेगा, वही श्रेष्ठ माना जाएगा। कार्तिकेय अपने वाहन मयूर पर सवार होकर निकल पड़े। गणेश का वाहन मूषक था। उन्होंने अपनी बुद्धि का प्रयोग करते हुए माता-पिता की परिक्रमा की और कहा कि उनके लिए माता-पिता ही संपूर्ण संसार हैं। गणेश की बुद्धिमत्ता से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें प्रथम पूज्य होने का वर दिया। धार्मिक परंपरा में यह कथा शक्ति और गति के मुकाबले बुद्धि और विवेक की महत्ता का प्रतीक मानी जाती है। इसका संदेश है कि हर चुनौती का समाधान केवल शारीरिक सामर्थ्य या गति से नहीं बल्कि सूझबूझ से भी संभव है। गणेश के स्वरूप में छिपे जीवन-संदेशभगवान गणेश का स्वरूप प्रतीकों से समृद्ध माना जाता है। उनका विशाल मस्तक व्यापक चिंतन, छोटी आंखें एकाग्रता और बड़े कान अधिक सुनने की क्षमता का प्रतीक माने जाते हैं। उनकी सृष्ट सक्रियता और परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढालने की क्षमता का संकेत देती है। विशाल उदर को जीवन में मिलने वाली अच्छी-बुरी परिस्थितियों को धैर्यपूर्वक स्वीकार करने और उन्हें पचाने की क्षमता से जोड़ा जाता है। इसी कारण उन्हें ‘लंबोदर’ कहा जाता है। उनका एक टूटा हुआ दांत उन्हें ‘एकदंत’ नाम देता है। धार्मिक व्याख्याओं में इसे त्याग, ज्ञान और उद्देश्य के प्रति समर्पण का प्रतीक माना गया है। गणेश का वाहन मूषक भी अपने भीतर प्रतीकात्मक अर्थ समांे है। धार्मिक व्याख्या में मूषक को चंचल मन, इच्छाओं और भटकती प्रवृत्तियों से जोड़ा जाता है। विशाल गणेश के साथ छोटे मूषक की कल्पना इस संदेश को व्यक्त करती है कि बुद्धि और विवेक से मन की चंचलता पर नियंत्रण पाया जा सकता है। चार भुजाओं में जीवन-दर्शनभगवान गणेश के चार हाथों में विभिन्न वस्तुओं का चित्रण मिलता है। इनमें पाश, अंकुश, मोदक और वरद अथवा अभय मुद्रा प्रमुख हैं। धार्मिक व्याख्याओं में पाश को आसक्ति पर नियंत्रण, अंकुश को मन को सही दिशा देने, मोदक को ज्ञान से मिलने वाले आनंद और वरदहस्त को कृपा एवं संरक्षण का प्रतीक माना जाता है। हालांकि गणेश के स्वरूप और हाथों में धारण की जाने वाली वस्तुओं की व्याख्या विभिन्न ग्रंथों और परंपराओं में अलग-अलग मिलती है। यह विविधता भारतीय धार्मिक प्रतीक परंपरा की विशेषता है। गणेश जन्म और महाभारत से जुड़ी कथाएंभगवान गणेश के जन्म को लेकर विभिन्न पुराणों में अलग-अलग कथाएं मिलती हैं। सबसे लोकप्रिय कथा के अनुसार माता पार्वती ने अपने शरीर के उदरन से एक बालक का निर्माण किया और उसे द्वारपाल बनाया। जब भगवान शिव वहां पहुंचे तो बालक ने उन्हें भीतर जाने से रोक दिया। विवाद बढ़ने पर शिव ने उसका मस्तक अलग कर दिया। बाद में माता पार्वती के आग्रह पर भगवान शिव ने हाथी का मस्तक लगाकर उसे पुनर्जीवन दिया। इसी कारण गणेश ‘गजानन’ कहलाए। गणेश का संबंध महाभारत की रचना की प्रसिद्ध कथा से भी जुड़ा है। धार्मिक परंपरा के अनुसार महर्षि वेदव्यास ने महाभारत की रचना की और भगवान गणेश ने उसे लिपिबद्ध किया। कथा के अनुसार गणेश ने लगातार लिखने की शर्त रखी, जबकि व्यास ने प्रत्येक श्लोक का अर्थ समझने के बाद ही उसे लिखने की शर्त रखी। इस कथा ने गणेश को लेखन, ज्ञान और बुद्धि के प्रतीक के रूप में प्रतिष्ठित किया। श्रद्धा से सामाजिक सहभागिता तकआधुनिक समय में गणेशोत्सव का स्वरूप धार्मिक अनुष्ठान से आगे बढ़कर सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजन का रूप ले चुका है। सार्वजनिक पंडालों में पूजा के साथ संगीत, नाटक, कला प्रदर्शनियां, सामाजिक जागरूकता अभियान और सेवा कार्य आयोजित किए जाते हैं। पर्व का एक नया पक्ष पर्यावरण संरक्षण से भी जुड़ा है। कई स्थानों पर मिट्टी की प्रतिमाओं, प्राकृतिक रंगों, कृत्रिम विसर्जन कुंडों और प्लास्टिक के सीमित इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जा रहा है।

एआई से 1980 की फोटो बना रहे हैं तो हो जाएं सावधान!

अमरेश द्विवेदी

आजकल सोशल मीडिया पर 1980 के दशक जैसी विंटेज फोटो बनाने का ट्रेंड तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। लोग अपनी सामान्य तस्वीरों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से पुरानी फिल्मों, कैमरा क्वालिटी और उस दौर के फेशन के अंदाज में बदलकर इंस्टाग्राम, फेसबुक और दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर कर रहे हैं। कुछ सेकंड में तैयार होने वाली ये तस्वीरें देखने में भले ही आकर्षक लगें, लेकिन इनके पीछे मौजूद डेटा प्राइवेंसी और साइबर सिक्योरिटी के जोखिमों को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है।

जरा सोचिए, आपने अपने मोबाइल से अपनी एक सामान्य फोटो चुनी और उसे किसी एआई ऐप या वेबसाइट पर अपलोड कर दिया। कुछ ही सेकंड में आपकी तस्वीर 1980 के दशक की पुरानी और विंटेज फोटो में बदल जाती है। तस्वीर पसंद आती है और आप उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट कर देते हैं। इसके बाद लाइक और कमेंट का इंतजार शुरू हो जाता है, लेकिन क्या आपने कभी यह सोचा है कि जिस फोटो को आपने कुछ सेकंड पहले किसी एआई ऐप या वेबसाइट पर अपलोड किया था, वह अब कहाँ है? क्या वह तस्वीर केवल आपके मोबाइल में वापस आई है या उस सर्वर पर भी स्टोर

हुई है? क्या ऐप उसे कुछ समय बाद डिलीट करता है या लंबे समय तक अपने सिस्टम में रख सकता है? क्या उस फोटो का इस्तेमाल सेवा को बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है? और सबसे अहम सवाल—आपकी फोटो के साथ आपकी निजी जानकारी कितनी सुरक्षित है?

आज के डिजिटल दौर में चेहरे की तस्वीर केवल एक तस्वीर नहीं रह गई है। यह आपकी डिजिटल पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकती है। चेहरे की पहचान करने वाली तकनीक लगातार विकसित हो रही है और कई ऑनलाइन सेवाएं फोटो और अन्य व्यक्तिगत डेटा के साथ काम करती हैं। यही वजह है कि किसी अनजान एआई ऐप या वेबसाइट पर अपनी फोटो अपलोड करने से पहले उसकी प्राइवेंसी पॉलिसी और डेटा इस्तेमाल करने की शर्तों को समझना जरूरी है। अगर किसी सेवा की शर्तों में यह स्पष्ट नहीं है कि अपलोड की गई तस्वीर कितने समय तक रखी जाएगी, उसका इस्तेमाल किस उद्देश्य से होगा या उसे किन पक्षों के साथ साझा किया जा सकता है, तो सावधानी बरतना बेहतर है।

एआई तकनीक ने तस्वीरों और वीडियो को बदलना बेहद आसान बना दिया है। इसी तकनीक का गलत इस्तेमाल करके डीपफेक भी बनाए जा सकते हैं। किसी व्यक्ति के चेहरे को दूसरी तस्वीर या वीडियो में लगाकर ऐसी सामग्री तैयार की



जा सकती है, जो देखने में वास्तविक लग सकती है। इसका मतलब यह नहीं है कि किसी एआई ऐप पर फोटो अपलोड करते ही आपकी तस्वीर डीपफेक बन जाएगी। लेकिन इंटरनेट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध आपकी तस्वीरों की संख्या जितनी ज्यादा होगी, उनका गलत

रहे किसी ट्रेंड के पीछे भागते हुए अनजान लिंक पर क्लिक कर देते हैं और फिर किसी ऐप को जरूरत से ज्यादा परमिशन दे देते हैं। अगर कोई ऐप फोटो एडिट करने के नाम पर कैमरा, गैलरी, कॉन्टैक्ट्स या अन्य संवेदनशील जानकारी तक पहुंच मांग रहा है, तो एक बार जरूर सोचें कि उसे वास्तव में उस परमिशन की जरूरत क्यों है। हर परमिशन खतरनाक नहीं होती। उदाहरण के लिए, फोटो एडिटिंग ऐप को किसी तस्वीर तक पहुंच की जरूरत हो सकती है। लेकिन अगर किसी साधारण ऐप की मांग उसकी वास्तविक जरूरत से मेल नहीं खाती, तो परमिशन देने से पहले सावधानी बरतनी चाहिए।

फर्जी वेबसाइट से बचना भी जरूरी साइबर अपराधी अक्सर वायरल ट्रेंड का फायदा उठाते हैं। किसी लोकप्रिय एआई फोटो ट्रेंड के नाम पर फर्जी वेबसाइट या ऐप तैयार किया जा सकता है और लोगों को वहां अपनी तस्वीर या व्यक्तिगत जानकारी अपलोड करने के लिए आकर्षित किया जा सकता है। कुछ मामलों में फर्जी वेबसाइटें यूजर से इंस्टाग्राम, फेसबुक या ईमेल का पासवर्ड डालने के लिए भी कह सकती हैं। यह बेहद खतरनाक हो सकता है। किसी एआई फोटो टूल को इस्तेमाल करने के लिए अगर आपसे सोशल मीडिया का पासवर्ड मांगा जा रहा है, तो तुरंत रुकें और वेबसाइट की विश्वसनीयता की जांच करें। अनजान लिंक पर क्लिक न करें।

होती है। हम कई बार किसी ट्रेंड को देखकर बिना सोचे-समझे ऐप इंस्टॉल कर लेते हैं, फोटो अपलोड कर देते हैं या किसी लिंक पर क्लिक कर देते हैं। एक तस्वीर अपलोड करने से तुरंत कोई साइबर अपराध हो जाएगा, ऐसा जरूरी नहीं है। लेकिन गणेशोत्सव के दौरान निजी डेटा को लेकर सावधानी बरतना आज पहले से कहीं ज्यादा जरूरी है। एआई हमारे लिए एक उपयोगी और शक्तिशाली तकनीक है। यह तस्वीरों को नया रूप दे सकती है, पुराने दौर की यादें वापस ला सकती है और मनोरंजन के नए तरीके दे सकती है। लेकिन इसका इस्तेमाल करते समय यह याद रखना जरूरी है कि हर ऑनलाइन सुविधा के साथ डेटा सुरक्षा की जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। इसलिए एआई का इस्तेमाल 1980 की विंटेज फोटो वाला ट्रेंड आपके सामने आए, तो तस्वीर बनाने से पहले कुछ सेकंड रुककर जरूर सोचें—क्या यह ऐप भरोसेमंद है? मेरी फोटो कहाँ जाएगी? उसे कितने समय तक रखा जाएगा? और मैं अपनी निजी जानकारी किसके साथ साझा कर रहा हूँ? ट्रेंड कुछ दिनों में बदल जाएगा, लेकिन आपकी डिजिटल पहचान लंबे समय तक आपके साथ रहेगी। इसलिए एआई का इस्तेमाल करें, लेकिन अपनी प्राइवेंसी और सुरक्षा को नजरअंदाज करके नहीं। याद रखें—डिजिटल दुनिया में आपकी पहचान ही आपकी सबसे महत्वपूर्ण संपत्ति है।

10 साल की मेहनत के बाद लॉन्च हुआ 'भक्तिद्वार'



मुंबई भक्ति, आध्यात्म और आधुनिक तकनीक को एक मंच पर लाने वाले 'भक्तिद्वार टेलीविजन ऐप' का मुंबई में भव्य शुभारंभ किया गया। प्रसिद्ध भजन गायक और पद्मश्री से सम्मानित अनूप जलोटा ने ऐप लॉन्च किया और इसके लोगों का भी अनावरण किया। इस अवसर पर मेहमानों को प्लेटफॉर्म पर जल्द उपलब्ध होने वाले विभिन्न धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यक्रमों की झलक भी दिखाई गई।

फिल्म और टेलीविजन जगत के कलाकार संदीप मोहन और संजय स्वराज भी लॉन्च समारोह में मौजूद रहे। दोनों कलाकारों ने 'भक्तिद्वार' के लिए तैयार किए गए विशेष कार्यक्रमों में काम किया है। समारोह में मौजूद सभी अतिथियों और सहयोगियों को स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित किया गया।



‘भक्तिद्वार टेलीविजन ऐप’ के संस्थापक दिनेश असोपा ने बताया कि यह प्रोजेक्ट उनके लिए लंबे समय से देखा गया सपना था, जिसे हकीकत में बदलने में करीब एक दशक का समय लगा। दिनेश असोपा ने कहा, “मैं पिछले 10 सालों से इस ऐप की परिकल्पना और इसके निर्माण पर काम कर रहा हूँ। हमारा उद्देश्य केवल एक और ओटीटी प्लेटफॉर्म बनाना नहीं था, बल्कि ऐसा डिजिटल मंच तैयार करना था, जहां लोगों को भक्ति, आध्यात्म और सनातन धर्म से जुड़ी सामग्री एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सके। आज इस सपने को हकीकत में बदलते देखना मेरे लिए बेहद खास पल है।”

उन्होंने बताया कि 'भक्तिद्वार' पर धार्मिक सीरीज, भक्ति संगीत, मंत्र, चालीसा, आध्यात्मिक प्रवचन, एआई आधारित वीडियो, एनिमेशन कंटेंट और विभिन्न धार्मिक आयोजनों का लाइव प्रसारण उपलब्ध होगा। आधुनिक तकनीक के माध्यम से सनातन संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों को भारत के साथ-साथ दुनियाभर के दर्शकों तक पहुंचाना इस प्लेटफॉर्म का उद्देश्य है।

ऐप का सब्सक्रिप्शन शुल्क केवल 11 प्रति सप्ताह रखा गया है, जिससे इसे अधिक से अधिक लोगों के लिए किफायती और सुलभ बनाया जा सके।

लॉन्च समारोह में पद्मश्री अनूप जलोटा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा, “मैं स्वयं भक्तिद्वार में प्रवेश कर चुका हूँ। यह केवल एक ऐप नहीं, बल्कि भक्ति, आनंद और शांति का द्वार है। आज लोग तनाव, चिंता और मानसिक दबाव से गुजर रहे हैं। ऐसे समय में भगवान का स्मरण, भजन सुनना और

साकार होने पर उन्हें बधाई दी। संदीप मोहन और संजय स्वराज ने भी इस पहल की सराहना की। दोनों कलाकारों ने 'भक्तिद्वार' के लिए काम किया है और उनका मानना है कि आज की तेज रफ्तार और तनावपूर्ण जीवनशैली में सकारात्मक, प्रेरणादायक और आध्यात्मिक कंटेंट की जरूरत पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। ऐसे समय में जब समाज का एक बड़ा वर्ग तनाव, चिंता और मानसिक दबाव से जूझ रहा है, 'भक्तिद्वार टेलीविजन ऐप' भक्ति, सकारात्मकता और आत्मिक शांति पर केंद्रित एक डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में सामने आया है। धार्मिक और आध्यात्मिक कंटेंट की बढ़ती लोकप्रियता के बीच यह प्लेटफॉर्म भारत के साथ-साथ दुनियाभर के श्रद्धालुओं तक पहुंचने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है।

भर की मेहनत और उनके सपने के प्रस्तुति के साथ दर्शकों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है, जबकि उनकी भक्ति भावना को भी बरकरार रखा गया है। कार्यक्रम का संचालन भावना शर्मा ने किया, जो देहरादून दूरदर्शन से जुड़ी जानी-मानी एंकर हैं। उन्होंने पूरे लॉन्च समारोह का सफलतापूर्वक संचालन किया। लॉन्च समारोह में दिनेश असोपा के परिवार और करीबी मित्र भी मौजूद रहे। उनके पिता जगल किशोर असोपा, बेटियां दिव्या असोपा और निकिता असोपा, तथा उनके साले जयेश मिश्रा भी समारोह में शामिल हुए। परिवार और



एक्ट्रेस सम्युक्ता ने पॉपुलर फिल्मों में अपनी शानदार परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीता

एक्ट्रेस सम्युक्ता, जिन्होंने बिबिसारा, भीमला नायक, वाथी और विरुपाक्षा जैसी पॉपुलर फिल्मों में अपनी शानदार परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीता है, आज अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। जहां बर्थडे के साथ अक्सर बड़ी पार्टी, सेलिब्रेशन और ढेर सारे प्लान्स जुड़े होते हैं, वहीं सम्युक्ता ने इस बार अपने स्पेशल डे को सिंपल, पीसफुल और खुद के बेहद करीब रखने का फैसला किया है। अपने बर्थडे को लेकर बात करते हुए सम्युक्ता ने बताया कि उनका दिन काफी जल्दी शुरू होगा। वह सबसे पहले अपनी कलारी क्लास जाएंगी, जिसके बाद साधना और पूजा करेंगी। इसके बाद भी वह अपने डेली रूटीन को फॉलो करती रहेंगी और दिन में कुछ क्वाइट टाइम खुद के साथ बिताएंगी। सम्युक्ता ने कहा, “इस ईयर, आई वॉन्ट टू कीप माय बर्थडे वेरी सिंपल एंड क्लोज टू मायसेल्फ। मैं सुबह जल्दी उठकर अपनी कलारी क्लास जाऊंगी, उसके बाद साधना और पूजा करूंगी और ईवनिंग में भी अपना रूटीन कंटीन्यू रखूंगी।” सम्युक्ता के लिए बर्थडे का मतलब इस बार बड़े सेलिब्रेशन या एलबोरेट प्लान्स से ज्यादा उन चीजों के साथ वक्त बिताना है, जो उन्हें सुकून देती हैं। उन्होंने कहा, “मुझे रियलाइज हुआ है कि मुझे सच में अपने स्पेस में रहना और वो चीजें करना पसंद है, जो मुझे पीस देती हैं। इसलिए एलबोरेट प्लान्स बनाने के बजाय, मैं इस दिन को ग्राउंडेड रहकर और बस उस मोमेंट में प्रेजेंट रहकर बिताना चाहती हूँ। मेरे लिए इस साल अपना बर्थडे सेलिब्रेट करने का इससे बेहतर तरीका और कुछ नहीं हो सकता।”



एक्ट्रेस अनुष्का कौशिक दहीहांडी सेलिब्रेशन में बप्पी लहिरी को देंगी म्यूजिकल ट्रिब्यूट!

टेलेंटेड एक्ट्रेस अनुष्का कौशिक, जो जल्द ही द मशरूमस में नजर आने वाली हैं, अब रेट्रो दौर के जादू को स्टेज पर फिर से जिंदा करने के लिए तैयार हैं। एक खास दहीहांडी सेलिब्रेशन में अनुष्का लेजेंडरी म्यूजिक मेस्ट्रो बप्पी लहिरी को अपने अंदाज में ट्रिब्यूट देंगी। करीब 2,000 लोगों के सामने अनुष्का अपने को-स्टार अभिजीत नलावड़े के साथ फिल्म के बिल्कुल नए रेट्रो सॉन्ग “केसी है ये शाम आज की” पर खास परफॉर्मेंस देंगी। यानी शाम होगी म्यूजिक, नॉस्टैल्जिया और रेट्रो वाइब्स से भरपूर! अनुष्का की यह परफॉर्मेंस ऐसे वक्त पर हो रही है जब वह अपनी अपकमिंग फिल्म द मशरूमस के सॉन्ग लॉन्च की तैयारी में जुटी हैं। लासाकी मीडिया वर्क्स द्वारा प्रस्तुत और सुजा बरुआ नलावड़े द्वारा निर्देशित इस फिल्म के गाने “केसी है ये शाम आज की” पर अनुष्का और अभिजीत की परफॉर्मेंस में रेट्रो का पूरा तड़का देखने को मिलेगा।

प्यार में पड़ने की फीलिंग को सेलिब्रेट करता है हार्डी संधू का नया गाना

जिंदगी में प्यार न हो तो कभी-कभी सब कुछ थोड़ा अधूरा सा लगता है। और जब किसी पर दिल आ जाए, तो छोटी-छोटी बातें भी खास लगने लगती हैं। किसी की तरफ पूरी तरह खिंचे चले जाने और हर वक्त उसी के ख्यालों में खोए रहने वाली इसी खूबसूरत फीलिंग को हार्डी संधू अपने नए गाने 'स्टक ऑन यू' में बखूबी कैप्चर कर रहे हैं। रोमांटिक और मेलोडियस गानों के लिए पहचाने जाने वाले हार्डी एक बार फिर ऐसा टुक लेकर आए हैं, जो प्यार के उस शुरुआती फेज की कहानी कहता है, जब कोई शख्स हर वक्त आपके दिमाग में रहता है और उसकी हर अदा, हर बात कुछ ज्यादा ही स्पेशल लगने लगती है। गाने को ऑडियंस का भी खूब प्यार मिल रहा है और यह 42 लाख से ज्यादा व्यूज पार चुका है, जो इसकी बढ़ती पॉपुलैरिटी का सबूत है। म्यूजिक वीडियो में हार्डी संधू और हिया बाजवा की केमिस्ट्री भी खूब ध्यान खींचती है। दोनों की फ्रेश और यूथफुल बॉन्डिंग गाने के रोमांटिक मूड को और मजबूत बना देती है। मॉडर्न साउंड, ईजी-गॉइंग वाइब और फील-गुड एनर्जी से भरपूर 'स्टक ऑन यू' उन गानों में से है, जो मूड को बिना किसी एक्स्ट्रा एफर्ट के रोमांटिक बना दें। कुंवर मेहता, रोहित पांडे, भरत और समद खान द्वारा कंपोज किए गए इस गाने के बोल कुंवर मेहता, रोहित पांडे और रोहित सिंह भाऊ ने लिखे हैं।



वामिका गब्बी, जॉन अब्राहम, रवीना टंडन, अनंत अंबानी, रितेश देशमुख और जेनेलिया देशमुख को सिने काइंड अवॉर्ड्स 2026 में मिलेगा सम्मान

सिनेमा की दुनिया में अब सिर्फ कहानियां सुनाने की बात नहीं, बल्कि उन कहानियों और चेहरों को सलाम करने का वक्त है, जो काइंडनेस, एम्पैथी और एनिमल वेलफेयर के लिए लगातार आवाज उठा रहे हैं। फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया और पीपल फॉर एनिमल्स के साथ मिलकर आयोजित सिने काइंड अवॉर्ड्स नाइट 2026 एक फस्ट ऑफ इंटस काइंड नेशनल इनिशिएटिव है, जो उन लोगों और कहानियों को सेलिब्रेट करता है, जो समाज में काइंडनेस, एम्पैथी और एनिमल वेलफेयर को बढ़ावा दे रहे हैं।



ये अवॉर्ड्स उन फिल्ममेकर्स, एक्टर्स, जर्नलिस्ट्स, इन्वेंटर्स और ग्रासरूट्स चेंजमेकर्स को रिकॉनाइज करते हैं, जो अपने इन्फ्लुएंस और काम के जरिए एक ज्यादा कम्पैशनेट सोसाइटी बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इस साल सम्मान पाने वाले डिस्टिंग्विश्ड नामों में अनंत अंबानी, जॉन अब्राहम, रवीना टंडन, वामिका गब्बी, कल्याण वर्मा, अमित राय और राजन शाही शामिल हैं। इनके साथ एनिमल वेलफेयर और सोशल चेंज के लिए ग्राउंड लेवल पर लगातार काम कर रहे ऑर्गनाइजेशन्स और इंडिविजुअल्स को भी सम्मानित किया जाएगा।

फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया, भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के अलग-अलग सेक्शन्स का एपेक्स बॉडी है, जिसमें प्रोड्यूसर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, एग्जिक्टिव्स और अलाइड टैटर्स शामिल हैं। वहीं सिने काइंड इनिशिएटिव में एफएफआर का पार्टनर पीपल फॉर एनिमल्स है, जो मानेका संजय गांधी द्वारा फाउंडेड और चैरिटी एनिमल वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन है। पीएफए रेस्क्यू, रिहैबिलिटेशन, एडवोकेसी और पब्लिक अवेयरनेस जैसे क्षेत्रों में काम करता है।

आस्था के महाकुंभ से पहले संवर रही उज्जैन नगरी, सिंहस्थ 2028 में दिखेगा भव्य स्वरूप

भोपाल/उज्जैन। सिंहस्थ 2028 से पहले मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में विकास की रफ्तार तेज हो गई है। शहर में सड़क, पुल, रेलवे, घाट, पार्किंग, जल परिवहन और डिजिटल निगरानी से लेकर महाकाल क्षेत्र तक बड़े प्रोजेक्ट आकार ले रहे हैं। लक्ष्य सिर्फ करोड़ों श्रद्धालुओं की भीड़ संभालना नहीं, बल्कि सिंहस्थ के बाद भी उज्जैन को बेहतर कनेक्टिविटी और सुविधाओं वाला धार्मिक शहर बनाना है। महाकाल की नगरी उज्जैन सिंहस्थ 2028 के लिए नए स्वरूप में तैयार हो रही है। शहर के पुराने हिस्सों में सड़क चौड़ीकरण से लेकर बड़े एलिवेटेड कॉरिडोर, अंडरपास और नए घाटों तक कई परियोजनाओं पर काम चल रहा है। सरकार का फोकस श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के अनुरूप शहर की क्षमता बढ़ाने, यातायात को व्यवस्थित करने और आपदा प्रबंधन को मजबूत करने पर है। सिंहस्थ के लिए चल रहे विकास कार्यों में नागरिकों का स्वेच्छिक सहयोग भी मिल रहा है। कई लोगों ने अपने मकान और दुकानें तक हटाकर सड़क चौड़ीकरण में सहयोग किया है। कंठाल चोराहे से छत्री चौक तक 410 मीटर लंबे मार्ग का चौड़ीकरण किया जा रहा है। इसे 15 मीटर चौड़ा किया जा रहा है। कंठाल चोराहे पर 500 वर्ग मीटर क्षेत्र में पेवर ब्लॉक लगाकर सौंदर्यीकरण होगा, जबकि प्राचीन श्री सती माता द्वार को भी नया स्वरूप दिया जाएगा। इस मार्ग पर 310 मीटर तक पीसीसी सड़क का निर्माण पूरा हो चुका है। स्थानीय निवासी और दुकानदार स्वेच्छा से अपने मकान-दुकान हटाकर इस काम में सहयोग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का कहना है कि मध्य प्रदेश सरकार आगामी सिंहस्थ : 2028 के भव्य और दिव्य आयोजन के लिए कटिबद्ध है। सभी प्रकार के विकास कार्य और जनकल्याणकारी कार्यों को गति प्रदान की जा रही है। सम्राट विक्रमादित्य की नगरी पुनः उत्कृष्ट की ओर बढ़ रही है। नागरिकों से मिला स्वेच्छिक सहयोग भारत ही नहीं दुनिया के लिए एक उत्कृष्ट उदाहरण है।



5.30 किमी एलिवेटेड कॉरिडोर बनेगा ट्रैफिक की लाइफलाइन

सिंहस्थ की भीड़ को देखते हुए उज्जैन में करीब 945.20 करोड़ की लागत से 5.30 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर तैयार किया जा रहा है। यह इंदौर गेट तक जाएगा। इसका उद्देश्य पुराने शहर के घने इलाकों में वाहनों का दबाव कम करना और श्रद्धालुओं के आवागमन को आसान बनाना है। महाकाल लोक के बाद काल भैरव और मंगलनाथ जैसे धार्मिक स्थलों पर बढ़ी भीड़ को देखते हुए भी यह परियोजना महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हरिफाटक पार्किंग एरिया से महाकाल लोक तक करीब 650 मीटर लंबा अंडरपास भी प्रस्तावित है। इसके लिए 91.74 करोड़ रुपए की प्रशासनिक मंजूरी मिली है। लगभग 450 मीटर हिस्सा भूमिगत होगा और आवाजाही के लिए दो अलग-अलग बॉक्स बनाए जाएंगे। इसका मकसद हरिफाटक ब्रिज के आसपास यातायात का दबाव कम करना और पार्किंग से महाकाल लोक तक श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुगम बनाना है।

शिपा के घाटों का विस्तार, पहली बार जल परिवहन

सिंहस्थ का सबसे बड़ा

आध्यात्मिक केंद्र शिपा नदी है। नदी के दोनों किनारों पर 778 करोड़ की लागत से 29.15 किलोमीटर लंबे घाट विकसित किए जा रहे हैं। वहीं, 120 करोड़ की लागत से 7.8 किलोमीटर लंबे मौजूदा पक्के घाटों को भी बेहतर बनाया जा रहा है। सिंहस्थ-2016 में करीब 7 किलोमीटर घाट थे, जबकि आगामी सिंहस्थ-2028 में 35 किलोमीटर तक घाट उपलब्ध कराने की योजना बताई गई है। घाटों तक पहुंच आसान बनाने के लिए 18 नई एप्रोच सड़कें प्रस्तावित हैं। इनमें गो घाट, वेधशाला के पीछे, वाकणकर ब्रिज, जीवन खेड़ी और श्री शनि मंदिर के आसपास के क्षेत्र शामिल हैं। इसके अलावा सिंहस्थ के दौरान पहली बार शिपा के किनारे प्रमुख मंदिरों को जल परिवहन से जोड़ने की योजना है। करीब 13.11 किलोमीटर लंबा रिवर ट्रांसपोर्ट रूट मोबिलिटी मास्टर प्लान का हिस्सा है। शिपा को प्रदूषण से बचाने के लिए कानून् क्लोउड डक्ट डायवर्जन प्रोजेक्ट पर भी काम जारी है। हेड रेगुलेटर का काम पूरा हो चुका है। 4.50 किलोमीटर कट-एंड-क्वर सेक्शन का काम पूरा हो गया है और 10.30 किलोमीटर के लिए प्रीकास्ट सेगमेंट तैयार हैं। 12 किलोमीटर के टनल सेक्शन में से 8.15 किलोमीटर खुदाई हो चुकी है। परियोजना का उद्देश्य गंदे पानी को शिपा में जाने से रोकना है।

रेलवे भी तैयार कर रहा बड़ा नेटवर्क

सिंहस्थ में देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं को देखते हुए रेलवे ने भी तैयारियां तेज कर दी हैं। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार के अनुसार 125 से अधिक स्पेशल ट्रेनें चलाने की योजना है। इंदौर और आसपास के शहरों के बीच रेल कनेक्टिविटी मजबूत करने पर भी जोर है। उज्जैन स्टेशन पर 6 मीटर और 12 मीटर चौड़े दो फुट ओवरब्रिज बनाए जा रहे हैं। दूसरी एंटी पर करीब 15 से 20 हजार वर्गमीटर का होल्डिंग एरिया विकसित किया जा रहा है। विक्रम नगर सहित अन्य स्टेशनों पर विकास कार्य अगले 9 से 10 महीनों में पूरा करने का लक्ष्य है। स्टेशनों पर एआई आधारित निगरानी और बड़े पैमाने पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे।

सड़क नेटवर्क से दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे तक कनेक्टिविटी

सिंहस्थ की तैयारियों का दायरा उज्जैन शहर से आगे बढ़ाकर आसपास के क्षेत्रों तक किया जा रहा है। उज्जैन को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए बदनावर होते हुए 80.45 किलोमीटर लंबा फोरलेन हाईवे 3,839 करोड़ की लागत से बनाया जा रहा है। वहीं 98.73 किलोमीटर लंबे फोरलेन

कॉरिडोर का भी भूमि पूजन किया गया है। इंदौर-उज्जैन ग्रीनफील्ड कॉरिडोर 48.1 किलोमीटर लंबा होगा और इसकी लागत 2,935 करोड़ रुपए है। इसके अलावा उज्जैन-इंदौर सिक्सलेन हाईवे पर 1,692 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। शहर के भीतर यातायात का दबाव कम करने के लिए करीब 700 करोड़ रुपए की लागत से उज्जैन बाईपास रोड की योजना भी है।

एकीकृत कंट्रोल रूम से होगी भीड़ की निगरानी

सिंहस्थ के दौरान भीड़ प्रबंधन को तकनीक से जोड़ने की तैयारी है। पहली बार अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से आयोजन की निगरानी और प्रबंधन किया जाएगा। यहां रियल टाइम में भीड़ की सघनता, ट्रैफिक, आपात स्थिति और श्रद्धालुओं की आवाजाही पर नजर रखी जाएगी। पुलिस और स्वयंसेवकों को जरूरत के अनुसार अलर्ट भी भेजे जा सकेंगे। शहर के 100 प्रमुख चौराहों को कैमरों के साथ आधुनिक किया जा रहा है। मेला क्षेत्र करीब 3,100 हेक्टेयर में विकसित किया जा रहा है। श्रद्धालुओं को पार्किंग के लिए 30 सेक्टरों में 3,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र की योजना है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लीन-स्टरीय होल्डिंग सिस्टम भी तैयार किया जा रहा है।



अमित शाह ने मुंबई के मशहूर लालबाग के राजा का किया दर्शन

■ धर्मेन्द्र भदोरिया

मुंबई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को अपने परिवार के साथ मुंबई के प्रसिद्ध लालबाग के राजा श्री गणेश के दर्शन किए। इस दौरान उनकी पत्नी सोनल शाह, बेटे जयेश शाह, बेटी और पोती भी मौजूद थीं। मुंबई सहित समूचे महाराष्ट्र में सोमवार से गणेशोत्सव पूरे हर्ष और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। मुंबई में दो दिवसीय दौरे पर रहे अमित शाह भी लालबाग के राजा का दर्शन करने सपरिवार पहुंचे थे। इस दौरान लालबाग के राजा गणेशोत्सव में आम जनता के लिए दर्शन सुरुक्षा कारणों से स्थगित कर दिया गया था। अमित शाह के साथ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार, मंत्री आशीष शेलार और मंगल प्रभात लोढा भी उपस्थित थीं। लालबाग के राजा श्री सर्वजनिक गणेशोत्सव मंडल के अध्यक्ष बालासाहेब कांबळे, उपाध्यक्ष सागर गुप्ता और मानद सचिव सुधीर साल्गी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का स्वागत किया। इसी तरह अमित शाह ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सरकारी आवास 'वर्षा' में स्थापित श्री गणेश के दर्शन किए और आरती में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उनकी पत्नी अमृता

गणेशोत्सव पर्यावरण के अनुकूल और पारंपरिक तरीके से मनाएं: फडणवीस

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गणेशोत्सव को पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पर्यावरण के अनुकूल तरीके से मनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि परंपरा के संरक्षण और पर्यावरण की रक्षा के बीच संतुलन बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। गणेशोत्सव मनाते समय यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि पर्यावरण को किसी प्रकार का नुकसान न पहुंचे।

फडणवीस ने अमित शाह और उनकी पत्नी सोनल शाह का स्वागत किया। इसके बाद अमित शाह ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के सरकारी आवास 'नंदगिरी' में भी श्री गणेश के दर्शन किए और आरती की। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अमित शाह और उनकी पत्नी सोनल शाह का स्वागत किया। अमित शाह ने अपने परिवार के साथ बांद्रा पश्चिम सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल में भी श्री गणेश के दर्शन किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार, मंत्री आशीष शेलार और विधायक अमित साठम सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

खेल

जो हमारे देश के खिलाफ काम कर रहा है, उससे हम ट्रॉफी नहीं ले सकते: देवजीत सैकिया



■ धर्मेन्द्र भदोरिया
दुबई। भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए महिला एशिया कप 2026 के खिताब को अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में हरमनप्रीत एंड कंपनी ने श्रीलंका को 72 रनों से रोड़ा। हालांकि, एक बार फिर टीम इंडिया ने एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के हाथों से ट्रॉफी लेने से साफतौर पर इनकार कर दिया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने बताया कि पुरुष टीम की तरह ही महिला टीम ने भी मोहसिन से ट्रॉफी लेने से मना कर दिया। उन्होंने कहा, एशिया कप में ट्रॉफी

एक विवादित मुद्दा है। हमारी पुरुष टीम ने एशिया कप जीता था। हालांकि, अप्रैल 2025 की पहलगाम घटना के बाद हालात पूरी तरह बदल गए। इसके बाद देश के नागरिकों का हम पर दबाव था कि हमें पड़ोसी देश के साथ कोई संबंध नहीं रखना चाहिए और न ही उनके साथ क्रिकेट खेलना चाहिए। मगर हमारी सरकार की नीति है कि मल्टीनेशनल टूर्नामेंट में हमें हर देश के खिलाफ खेलना ही होगा। इसी पॉलिसी को फॉलो करते हुए हम मल्टीनेशनल टूर्नामेंट में हर टीम के खिलाफ खेल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, इसी को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई हर मल्टीनेशनल

टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम भेज रही है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि हम सारी कंडिशन मान लेंगे। जिस देश के साथ हमारे रिश्ते पहले से खराब हैं और अप्रैल 2025 से ओर भी ज्यादा बिगड़ गए हैं, इसके साथ ही जिस देश के साथ अभी भी हमारा ऑपरेशन चालू है उस देश के मुख्य लीडर में से एक, जो हमारे देश के खिलाफ काम कर रहा है, उससे हम ट्रॉफी नहीं ले सकते हैं।

डेढ़ साल पहले भारतीय पुरुष टीम ने एशिया कप का खिताब जीतने के बाद ट्रॉफी लेने से मना कर दिया था। इसी को जारी रखते हुए हमारी

महिला टीम ने भी मोहसिन नकवी के हाथों से ट्रॉफी नहीं लेने का फैसला किया।

बीसीसीआई सचिव ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि टीम ने पूरे टूर्नामेंट में जबरदस्त खेल दिखाया और सभी मैच एकतरफा अंदाज में जीते। देवजीत सैकिया ने कहा कि उन्हें टीम के प्रदर्शन पर गर्व है और देश में महिला क्रिकेट काफी तेजी से उभर रहा है। फाइनल मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 183 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। इसके जवाब में श्रीलंका की पूरी टीम 111 रन बनाकर ऑलआउट हुई।

विजय कुमार

नई दिल्ली। अभिषेक शर्मा की तूफानी अर्धशतकीय पारी और भारतीय गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने रविवार को अरुण जेंटली स्टेडियम में खेले गए तीन मैचों की टी-20 सीरीज के पहले मुकाबले में अफगानिस्तान को सात विकेट से हरा दिया। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 156 रन बनाए थे, जिसे भारत ने 17वें ओवर में तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।

मुकाबले को देखने के लिए अरुण जेंटली स्टेडियम में 25,165 दर्शक मौजूद रहे। मैच की शुरुआत भी भारतीय क्रिकेट के लिए ऐतिहासिक रही, जब टॉस के बाद पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबले में राष्ट्रीय वंदे मातरम की आधिकारिक प्रस्तुति की गई और उसके बाद राष्ट्रगान जन गण मन

गाया गया। अफगानिस्तान की खराब शुरुआत, पांच विकेट 56 रन पर गंवाए टॉस जीतकर भारत ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और उसके गेंदबाजों ने कप्तान श्रेयस अय्यर के फैसले को सही साबित किया। अफगानिस्तान को सम्मानजनक स्कोर की ओर पहुंचाया।

17वें ओवर में अर्शदीप सिंह ने मोहम्मद नबी को बोल्ट कर इस साझेदारी को तोड़ा। नबी ने 27 गेंदों पर दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 33 रन बनाए। 19वें ओवर में अर्शदीप ने राशिद खान को अक्षर पटेल के हाथों कैच कराकर अफगानिस्तान को सातवां झटका दिया। राशिद 10 गेंदों पर केवल एक रन बना सके। इसी ओवर में नूर अहमद भी बिना खाता खोले श्रेयस अय्यर के सीधे थ्रो पर रन आउट हो गए। लगातार विकेट गिरने के बावजूद ओमरजई ने आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी। आखिरी ओवर

में उन्होंने शिवम दुबे की गेंदों पर दो छक्के और दो चौके लगाकर 21 रन बटोरे। इसके साथ अफगानिस्तान ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 156 रन बनाए। ओमरजई 44 गेंदों पर चार चौकों और चार छक्कों की मदद से 64 रन बनाकर नाबाद रहे। मुजीब उर रहमान नौ रन बनाकर नाबाद लोटे। अफगानिस्तान ने आखिरी 10 ओवर में 115 रन बनाए और चार विकेट गंवाए। 157 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। संजू सैमसन को अजमतुल्लाह ओमरजई ने तीसरे ओवर में 18 के कुल स्कोर पर दरवेश रसूली के हाथों कैच करा दिया। इसके बाद अभिषेक शर्मा और ईशान किशन ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। दोनों ने अफगानिस्तान के गेंदबाजों पर जमकर हमला बोला और तेजी से रन बनाए। अभिषेक शर्मा ने पांचवें ओवर में फजलहक फारूकी के खिलाफ 26 रन बटोरे। इस ओवर में

उन्होंने दो छक्के और दो चौके लगाए, जबकि पांच रन वाइड से आए। ईशान ने एक रन लिया। भारत ने पावरप्ले में एक विकेट पर 82 रन बना लिए। भारत ने 8.2 ओवर में 100 रन पूरे किए। अभिषेक ने केवल 22 गेंदों में छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से अपना अर्धशतक पूरा किया। अभिषेक और ईशान ने दूसरे विकेट के लिए 53 गेंदों में 121 रन की शानदार साझेदारी की। दोनों की आक्रामक बल्लेबाजी के सामने अफगानिस्तान के गेंदबाज पूरी तरह दबाव में नजर आए।

श्रेयस-तिलक ने दिलाई आसान जीत

ईशान के आउट होने के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर और तिलक वर्मा ने कोई और नुकसान नहीं होने दिया। दोनों ने टीम को 38 गेंद शेष रहते सात विकेट से जीत दिला दी। श्रेयस आठ और तिलक तीन रन बनाकर नाबाद रहे।

एशियन गेम्स 2026 'क्रिकेट' में फिर बजेगा भारत का डंका, दांव पर 2 'गोल्ड मेडल'

■ धर्मेन्द्र भदोरिया

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 में 'क्रिकेट' भारत के लिए एक बार फिर सबसे बड़े 'गोल्ड मेडल' दावेदारों में होगा, जिसमें एक नहीं, बल्कि दो गोल्ड देश के नाम हो सकते हैं। साल 2023 में आयोजित हांगझो एशियन गेम्स में भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों ने गोल्ड जीते थे। इस बार जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर के बीच खेले जाने वाले एशियन गेम्स में फिर से भारतीय फैंस को अपने खिलाड़ियों से ऐसी ही आस है। यह मुकाबले टी20 फॉर्मेट में खेले जाने हैं, जिसमें



हाल के समय में भारत की पुरुष और महिला टीम का दबदबा नजर आया है। एक ओर पुरुष टीम इसी साल मार्च में टी20 वर्ल्ड कप विजेता बनी है, तो दूसरी तरफ बीते रविवार को

महिला टीम ने एशिया कप का खिताब अपने नाम किया है। इस टूर्नामेंट में भारत के पास प्रतिभा और अनुभव का शानदार मिश्रण है। पुरुष टीम में कई ऐसे खिलाड़ी मौजूद हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता साबित कर चुके हैं। वहीं, महिला क्रिकेट में हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा जैसी अनुभवी खिलाड़ी हैं। इनके साथ युवा प्रतिभाओं की मौजूदगी टीम को संतुलित बनाती है। हालांकि, एशियन गेम्स में भारत के लिए चुनौती आसान नहीं होगी, क्योंकि पाकिस्तान, श्रीलंका और

बांग्लादेश जैसी टीमों भी मजबूत हैं और टी20 क्रिकेट में एक खराब मुकाबला पूरे अभियान की दिशा बदल सकता है। ऐसे में भारत को शुरुआती दौर से ही अपनी रणनीति और खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर ध्यान देना होगा। टी20 क्रिकेट में भारत का बेंच स्ट्रेंथ बेहद मजबूत है। महिला और पुरुष टीमों के पास ऐसे खिलाड़ी हैं, जिनको दबाव झेलने का अनुभव है। अगर ये खिलाड़ी अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन करते हैं, तो एशियन गेम्स में एक बार फिर भारत के पास गोल्ड जीतने का मौका होगा।

ब्रिक्स के सदस्य देशों का सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का आह्वान

■ धर्मेन्द्र भटोरिया
नई दिल्ली। ब्रिक्स नेताओं ने सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का आह्वान किया है। इस आह्वान में संघर्ष से प्रभावित क्षेत्रों में सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा भी शामिल है। उन्होंने पुरावशेषों के साथ आध्यात्मिक, पेट्रुक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व वाली वस्तुओं को उनके मूल देश में वापस भेजने पर भी जोर दिया है। भारत की अध्यक्षता में आयोजित दो दिवसीय ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के पहले दिन अपनाए गए 'नई दिल्ली घोषणा' में समूह ने ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की 11वीं बैठक में भोपाल घोषणा को अपनाए जाने का भी स्वागत किया। इसमें लोगों के बीच सहयोग बढ़ाने और सदस्य देशों के बीच संबंध मजबूत करने में संस्कृति की महत्वपूर्ण भूमिका की पुष्टि की गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहले दिन की चर्चा के समापन पर इस घोषणा को अपनाए जाने का ऐलान किया। इस दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन, अबू धाबी के युवराज मोहम्मद बिन जायद अल



नाहयान और समूह के अन्य शीर्ष नेता मौजूद रहे। घोषणा में कहा गया है, "हम संघर्ष से प्रभावित इलाकों समेत सभी क्षेत्रों में सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का आह्वान करते हैं, ताकि सांस्कृतिक संपत्तियों के विनाश और अवैध तस्करी को रोका जा सके। यह प्रभावित समुदायों के इतिहास और पहचान के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण है। साथ ही, हम सांस्कृतिक विरासत, पुरावशेषों तथा आध्यात्मिक, पेट्रुक,

ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व वाली वस्तुओं को उनके मूल देश में वापस करने की आवश्यकता पर जोर देते हैं।" नेताओं ने संग्रहालयों, अभिलेखागार, पुस्तकालयों और अन्य संबंधित सांस्कृतिक संस्थानों के बीच सूचना, दस्तावेजों के आदान-प्रदान और संस्थागत सहयोग के माध्यम से ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने की भी बात कही। नई दिल्ली घोषणा में कहा गया है, "हम सांस्कृतिक और

रचनात्मक उद्योगों में सूचना के आदान-प्रदान तथा सर्वोत्तम तौर-तरीकों को साझा करने को प्रोत्साहित करते हैं। इसमें कलाकारों और सांस्कृतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के प्रशिक्षण तथा क्षमता निर्माण के क्षेत्र भी शामिल हैं।"

संभावनाओं को प्रोत्साहन

घोषणा में कहा गया है, "हम संबंधित यूनेस्को सम्मेलनों और कार्यक्रमों के तहत स्वीच्छिक आधार पर संयुक्त बहुराष्ट्रीय नामांकन की संभावनाएं तलाशने को प्रोत्साहित करते हैं। हम सांस्कृतिक उद्योगों और संसाधनों के विकास के लिए प्रासंगिक बहुपक्षीय मंचों समेत ब्रिक्स देशों के बीच आगे सहयोग को प्रोत्साहित करते हैं।" सदस्य देशों ने ब्रिक्स संस्कृति महोत्सव और 'वेक्स बाजार' के आयोजन का स्वागत किया।

ब्रिक्स के सदस्य देश

ब्रिक्स में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। वर्ष 2024 में मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब को शामिल किए जाने

के बाद इसका विस्तार हुआ। इंडोनेशिया 2025 में इसमें शामिल हुआ। बेलारूस, बोलीविया, कजाखस्तान, क्यूबा, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा, उज्बेकिस्तान और वियतनाम पिछले वर्ष ब्रिक्स के साझेदार देश बने।

दो दशक-दो स्मारक डाक टिकट

उल्लेखनीय है कि ब्रिक्स के दो दशक पूरे होने के उपलक्ष्य में 12 सितंबर को नई दिल्ली के भारत मंडपम में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान दो स्मारक डाक टिकट जारी किए गए। दोनों डाक टिकट भारत की 2026 की ब्रिक्स की अध्यक्षता की प्राथमिकताओं को भी दर्शाते हैं। इसकी थीम है: "सुदृढ़ता, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण।" एक डाक टिकट आपसी सम्मान, समझ और एकजुटता की भावना वाले एक मंच के तौर पर ब्रिक्स के उभरने को दर्शाता है, वहीं दूसरा डाक टिकट भारत की अध्यक्षता के 'मानवता सबसे पहले' और 'जन केन्द्रित' विजन एवं लोगों को दर्शाता है।

सवालों के घेरे में अधिशासी अभियंता संजय वर्मा का निलंबन

अधीक्षण अभियंता राज शेखर के पक्षपात पर उठे कई सवाल

■ मुकेश मधुर

नई दिल्ली। 25 अगस्त 2026 को हुई भारी बारिश के बाद नई दिल्ली इलाके में भीषण जल भराव को लेकर अधिशासी अभियंता संजय वर्मा के खिलाफ निलंबन की जो कार्रवाई की गई, वह पूरी तरह एक तरफ थी।

सूत्रों का दावा है कि पालिका सचिव और अधीक्षण अभियंता राजशेखर ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए नई दिल्ली नगर पालिका परिषद अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी को भ्रामक और आधी अधूरी सूचना देकर गुमराह किया था। इन भ्रामक सूचनाओं के बाद ही संजय वर्मा के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की गई। उल्लेखनीय है कि 25 अगस्त को नई दिल्ली में भारी बारिश के बाद हुए जल भराव पर एनडीएमसी अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी ने सोशल मीडिया के जरिए खेद व्यक्त करते हुए अपने बड़प्पन का परिचय दिया था। लेकिन एनडीएमसी चेयरमेन के इस बड़प्पन से सबक न लेते हुए अधीक्षण अभियंता राजशेखर ने पालिका सचिव के साथ मिलकर अधिशासी अभियंता संजय वर्मा से विभागीय खुन्नस निकालते हुए अधिशासी अभियंता संजय वर्मा को निलंबित करवा दिया।

मामले की पृष्ठभूमि के अनुसार 25 अगस्त 2026 को जल भराव होने के बाद अधीक्षण अभियंता राज शेखर ने पालिका सचिव के साथ कनॉट प्लेस क्षेत्र का दौरा किया और



मोटे तौर पर कर्तव्य में कोई कोताही ना होते हुए भी अधिशासी अभियंता संजय वर्मा को निलंबित करवा दिया। सवाल यह उठता है कि उस दिन की भारी बारिश के बाद एनडीएमसी के मंदिर मार्ग से लेकर सरोजिनी नगर तक और पूरे लुटियंस जोन में सभी क्षेत्रों में जल भराव हुआ। लेकिन कार्यवाही अकेले अधिशासी अभियंता संजय वर्मा के

खिलाफ की गई। जलभराव प्रभावित अन्य इलाकों में पालिका सचिव और अधीक्षण अभियंता राज शेखर ने कोई निरीक्षण दौरा नहीं किया और ना ही किसी अन्य इलाके में जलभराव की कोई रिपोर्ट पालिका अध्यक्ष को दी। एक सवाल यह भी है कि जिन पंप सेटों के चालू न होने की बात कही जा रही है, वे सब एनडीएमसी द्वारा अनुबंधित ठेकेदार

के लगाए गए हैं, जबकि एनडीएमसी के पास पर्याप्त संख्या में अपने पंप सेट है। फिर भी बंद पड़े रहने वाले पंप सेट ठेके पर लेने में किसका हाथ है, यह पता लगाने के साथ-साथ यह भी तकनीकी मामला है कि पंप सेट चलाने वाले ऑपरेटर को किस योग्यता के आधार पर नई दिल्ली नगर पालिका परिषद में नौकरी पर रखा जाता है। एनडीएमसी से प्राप्त जानकारी के अनुसार अधीक्षण

अभियंता राज शेखर क्वालिटी कंट्रोल से लेकर रोड और ड्रेनेज तक के इंचार्य है। इतना ही नहीं, पालिका सचिव भी नॉन टेक्निकल होते हुए भी क्वालिटी कंट्रोल को सुपरवाइज करते हैं। सूत्रों का यह भी दावा है कि अधीक्षण अभियंता राज शेखर और अधिशासी अभियंता संजय वर्मा में विभागीय तनातनी भी लंबे समय से चली आ रही है। एनडीएमसी में चर्चा है कि इसी तनातनी के कारण

पालिका सचिव का सहारा लेकर अधीक्षण अभियंता राजशेखर ने जल भराव के मामले पर भ्रामक और पक्षपातपूर्ण सूचनाएं देकर एनडीएमसी अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी को गुमराह किया और संजय वर्मा के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई करवा दी। एनडीएमसी अध्यक्ष को इस मामले में स्वत सज्ञान लेकर सच्चाई की तह तक जाना चाहिए

लोहिया ट्रस्ट से 'चचा आउट, भतीजा इन'



नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी (सपा) में शायद सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। ऐसा इसलिए कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने चाचा शिवपाल यादव को हटाकर अब खुद लोहिया ट्रस्ट के अध्यक्ष बन गए हैं। जबकि पिछले 10 सालों से लोहिया ट्रस्ट की कमान शिवपाल यादव के हाथ में थी। लेकिन, इस फैसले के साथ अब इस ट्रस्ट पर अखिलेश यादव का कंट्रोल होगा।

दरअसल, लोहिया ट्रस्ट समाजवादी पार्टी से जुड़े लोगों के बीच काफी अहम रहा है। 2017 से ही शिवपाल यादव इस ट्रस्ट की जिम्मेदारी संभालते आ रहे थे, लेकिन अब इसका नियंत्रण पूरी तरह से अखिलेश यादव के पास होगा। जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले हुई ट्रस्ट की बैठक में यह फैसला लिया गया था कि अखिलेश यादव को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी जाए। बैठक में शामिल शिवपाल यादव समेत सभी लोगों ने इस फैसले पर अपनी सहमति जताई थी। सूत्रों के अनुसार, ट्रस्ट की कमान अखिलेश यादव को सौंपने से जुड़े फैसले पर शिवपाल यादव समेत सभी

आठ सदस्यों ने अपनी मुहर लगा दी थी। इसके साथ ही सपा मुखिया अब लोहिया ट्रस्ट और जनेश्वर ट्रस्ट दोनों के अध्यक्ष बन गए हैं। 2017 में पारिवारिक विवाद के दौरान मुलायम सिंह यादव ने ट्रस्ट की जिम्मेदारी प्रोफेसर रामगोपाल यादव से हटाकर शिवपाल यादव को सौंप दी थी। हालांकि, लोहिया ट्रस्ट का गठन सपा की नींव पड़ने से भी काफी पहले हो चुका था। इसलिए सपा की विरासत में इस ट्रस्ट का काफी महत्वपूर्ण स्थान माना जाता है। इस ट्रस्ट का काम समाजवादी विचारधारा को आगे बढ़ाना यानी प्रचार-प्रसार करना और पार्टी के लिए फंड जुटाना है। ट्रस्ट में अखिलेश यादव, शिवपाल यादव, दीपक मिश्रा, आदित्य यादव, राम नरेश यादव इटावा, राम सेवक यादव, वीरपाल यादव बरेली और राजेश यादव सदस्य हैं। राजनीतिक जानकारों की मानें तो अखिलेश यादव के नेतृत्व में सपा अब उस दौर से बहुत आगे निकल चुकी है, जब पार्टी की कमान और परिवार से जुड़े अलग-अलग संस्थानों को लेकर शक्ति के अलग-अलग केंद्र दिखाई देते थे।

पहाड़ों से रेगिस्तान तक भारत-अमेरिका की सेनाओं का ‘युद्ध अभ्यास’

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका की सेनाएं एक बार फिर साथ मिलकर युद्ध कोशल और आधुनिक तकनीकी की ताकत परख रही हैं। दोनों देशों के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास ‘युद्ध अभ्यास 2026’ का 22वां संस्करण मंगलवार को शुरू हुआ। इस बार इसकी खास बात यह है कि अभ्यास उत्तराखंड के ऊंचे पहाड़ी इलाके ओली से लेकर राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज तक एक साथ चल रहा है। ओली में 14 इन्फैंट्री डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल अमरेश गुंजन ने जवानों से संवाद किया। वहीं अमेरिकी सेना की 11वीं एयरबोर्न डिवीजन की पहली इन्फैंट्री ब्रिगेड कॉम्बैट टीम के कमांडर कर्नल बेजामिन जैकमेन ने भी सैनिकों को संबोधित किया। अभ्यास में भारत और अमेरिका के करीब 600-600 सैन्यकर्मों हिस्सा ले रहे हैं। इस अभ्यास में दोनों सेनाएं पहाड़ी और अर्ध-पहाड़ी इलाकों में एकीकृत युद्ध समूहों के संचालन की क्षमता को मजबूत करेंगी। खास तौर पर पैदल सेना आधारित अभियानों पर ध्यान दिया जाएगा। सैनिक अलग-अलग परिस्थितियों में एक-दूसरे के साथ तालमेल बनाकर



अभियान चलाने की रणनीति और तकनीकी का अभ्यास करेंगे। ‘युद्ध अभ्यास 2026’ में आधुनिक तकनीकी भी केंद्र में है। सैनिक निगरानी और टोह लेने के लिए ड्रोन और स्वायत्त प्रणालियों का इस्तेमाल करेंगे। वहीं, महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में आधुनिक हथियार प्रणालियों का प्रदर्शन किया जाएगा। दोनों सेनाओं के विशेषज्ञ उभरती सैन्य तकनीकों और बहु-क्षेत्रीय युद्धकला में हो रहे बदलाव पर भी चर्चा करेंगे। इस दौरान रणनीति, तकनीकी और संचालन प्रक्रियाओं को साझा किया जाएगा। इससे दोनों सेनाओं के बीच आपसी तालमेल और संयुक्त अभियानों की क्षमता को और मजबूती मिलेगी। इस बार अभ्यास में

आधुनिक तकनीकी के इस्तेमाल पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान निगरानी और टोह लेने के लिए ड्रोन तथा स्वायत्त प्रणालियों का इस्तेमाल किया जाएगा। राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में आधुनिक हथियार प्रणालियों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। बता दें कि बीते महीने ही भारतीय और अमेरिकी नौसेना ने भी एक विशेष अभ्यास को अंजाम दिया था। इसके तहत समुद्र के भीतर छिपे विस्फोटक खतरों को खोजने और उन्हें निष्क्रिय करने का अभ्यास किया गया। दोनों देशों के नौसैनिक विशेषज्ञ एक साथ प्रशिक्षण लिया। भारत व अमेरिका की नौसेनाओं का यह ‘एक्सप्लोसिव ऑर्डेंस डिसपोजल’ (ईओडी) अभ्यास 10 से 14 अगस्त तक कोंचिथ स्थित नौसेना की दक्षिणी कमान में आयोजित किया गया था। इस अभ्यास में दोनों ही देशों के नौसैनिकों ने तकनीकी और काम करने के अपने अपने तरीके साझा किए। अभ्यास के दौरान विशेषज्ञों के बीच चर्चा, संयुक्त प्रशिक्षण, उपकरणों का प्रदर्शन और अलग-अलग चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों पर आधारित व्यावहारिक अभ्यास हुए।

सरकार ने यूपीआई पर शुल्क लगाने का रास्ता खोल दिया: राहुल

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के दो हजार रुपये तक के यूपीआई के जरिए भुगतान को निःशुल्क बनाए रखने की अधिसूचना के बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने चुपचाप दो हजार से अधिक के यूपीआई लेनदेन पर मर्चेन्ट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगाने का रास्ता खोल दिया है। उन्होंने कहा कि भले ही ऐसे लेनदेन कुल संख्या का करीब पांच फीसदी हैं, लेकिन इनका कुल लेनदेन मूल्य में हिस्सा करीब 65 फीसदी है। राहुल गांधी ने

मंगलवार को एक्स पोस्ट में कहा कि यूपीआई भुगतान पर सरकार ने कहा कि ग्राहकों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। यदि दुकानदारों पर शुल्क लगाया जाता है तो उसका बोझ अंततः कहा जाएगा। यह लागत वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में शामिल होकर ग्राहकों की जेब पर पड़ सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी भुगतान कंपनियां लंबे समय से भारत की शून्य एमडीआर नीति का विरोध कर रही हैं और अब सरकार उसी दिशा में नीति बदलने का रास्ता खोल रही है।

राहुल गांधी ने इसे अमेरिकी दबाव से जोड़ते हुए सरकार की आर्थिक नीतियों पर भी सवाल उठाया। उन्होंने सरकार के इस संभावित बदलाव को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि यूपीआई को मुफ्त रखने की मौजूदा व्यवस्था में बदलाव का असर छोटे और बड़े व्यापारियों के साथ उपभोक्ताओं पर पड़ सकता है। हालांकि, फिलहाल दो हजार रुपये से अधिक के सभी व्यापारी यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर लगाए जाने का अंतिम निर्णय घोषित नहीं हुआ है। उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि ग्राहकों से दो हजार रुपये तक के यूपीआई लेनदेन पर शुल्क नहीं लगाया जा सकता।

UCC की राह में अपनों की ही रुकावट?

अमित शाह के एलान के बाद सहयोगियों ने खींचे हाथ

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के यह भरोसा जताने के बाद कि 2029 तक एनडीए शासित 21 राज्यों में समान नागरिक संहिता (UCC) लागू कर दिया जाएगा। लेकिन इस मुद्दे पर बीजेपी के तीन प्रमुख सहयोगी दलों, तेलुगु देशम पार्टी (TDP), जनता दल यूनाइटेड (JD-U) और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने इस मुद्दे पर सतर्क रुख अपनाया है।



जदयू विधायक बोले- लागू नहीं होने देंगे

जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार, कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा या राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद का अब तक सीधा बयान नहीं आया है। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने शिफ्ट इतना कहा है कि इसपर कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात करेंगे। लेकिन, जनता दल यूनाइटेड के विधायक और पूर्व मंत्री रथान रजक ने साफ शब्दों में एलान किया कि इसे बिहार में लागू नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार में एनडीए की सरकार है और जदयू के मुखिया नीतीश कुमार ने शुरुआत से ही यूसीसी का विरोध किया है। इसलिए, एनडीए सरकार में जदयू इसे लागू नहीं होने देगा। लेकिन, अब जदयू ने इसपर नरमी का रुख अख्तियार कर लिया है। पार्टी की तरफ से सरकार में सबसे ओहदेदार मंत्री और राज्य के उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने सनीक्षा, विमर्श आदि की बात कही है। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा, सबसे पहले, हमें यह देkhना होगा कि यूसीसी विधेयक किस रूप में पेश किया जाता है। हमारे राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष पहले ही कह चुके हैं कि प्रावधानों की समीक्षा करने के बाद उन पर गृह मंत्री अमित शाह से सीधे बातचीत होगी और उसके बाद हमारी पार्टी एक बैठक करेगी।

जनजातियों को दी गई व्यवस्थाओं का सम्मान करती है। उन्होंने कहा कि UCC का मसौदा जनता के सामने लाया जाना चाहिए और सभी पक्षों से सलाह-मशविरा करने के बाद ही उनकी पार्टी अपना रुख तय करेगी।

